दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 95 | ग्वालियर, मंगलवार 25 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8


## कोरोना को इंडियन बताने पर महाभारतः कांग्रेस का बीजेपी पर पलटवार, अब जीतू पटवारी ने पीएम मोदी और शिवराज को बताया धृतराष्ट्र

**भोपाल।** कोरोना वायरस के नए वेरिएंट को मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की ओर से इंडिन बताए जाने पर बीजेपी और कांग्रेस में घमासान मच गया है। पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कमलनाथ के बयान पर पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछा कि वे धृतराष्ट्र बनकर तमाशा क्यों देख रही हैं, तो अब कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने पलटवार करते हुए पीएम मोदी और शिवराज को धृतराष्ट्र बताया है। कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने कहा, 9 मई को कानून और स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने शपथ-पत्र में इस शब्द (इंडियन वेरिएंट) का इस्तेमाल किया। उनके खिलाफ उसी तरह एफआईआर दर्ज करें जिस तरह आपने कलनाथ के खिलाफ किया है नहीं तो पीएम मोदी और सीएम शिवराज सिंह चौहान भी धृतराष्ट्र हैं।

### वैक्सीन महामारी को रोकने की कुंजी है, लेकिन

# सरकार को परवाह नहीं हैः राहुल

**नयी दिल्ली।** टीकों की कमी के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वह इसे लेकर गंभीर नहीं है. राहुल गांधी ने सोमवार को ट्वीट किया, टीकाकरण महामारी को नियंत्रित करने की कुंजी है लेकिन भारत सरकार को इसकी परवाह नहीं है. उनकी टिप्पणी ऐसे दिन आई है जब सरकार ने जानकारी दी है कि चल रहे अभियान के तहत 18 से 44 आयु वर्ग के 1 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाया गया था. हालांकि कई राज्यों ने टीकों की कमी की शिकायत की है और कंपनियों ने सीधे राज्य सरकारों को टीका देने से इनकार कर दिया है. यह उपलब्धि 1 मई से शुरू की गई कोविड टीकाकरण की उदारीकृत और त्वरित चरण 3 रणनीति के लागू होने के 23 दिनों के भीतर हासिल की गई है. इसके पहले राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि मोदी प्रणाली के कुप्रबंधन के कारण अब भारत में कोविड संक्रमण के साथ-साथ ब्लैक फंगस भी महामारी के तौर पर फैल गया है. राहुल गांधी ने हिंदी में एक ट्वीट किया था कि भारत में ही मोदी प्रणाली की अक्षमता के कारण कोविड महामारी के साथ-साथ ब्लैक फंगस की महामारी फैली है. टीकों के साथ-साथ दवाओं की भी कमी है. और इससे निपटने के लिए, प्रधानमंत्री लोगों को बर्तन बजाने और ताली बजाने के लिए कहेंगे. उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी के अपने संसदीय क्षेत्र के फ्रंटलाइन वर्कर्स के साथ बातचीत के दौरान भावुक हो जाने के एक दिन बाद आई है. राहुल गांधी कई दिनों से वैक्सीन और दवाओं की कमी को उजागर कर रहे हैं. शनिवार को भारत ने पिछले 24 घंटों में 4,194 मौतों के साथ कोविड संक्रमण के 2.57 लाख मामले दर्ज किए. देश भर में कई लोग ब्लैक फंगस से भी संक्रमित हो चुके हैं, जबकि कई राज्यों ने इसे महामारी घोषित किया है.

### रेत में दबे शवों को लेकर ने केंद्र पर साधा था निशाना

आपको बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गत दिन गंगा नदी के किनारे रेत में दबे शवों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी की व्यवस्था का सिर उसी रेत में दफन है. राहुल गांधी ने एक ट्वीट में कहा कि गंगा नदी के किनारे दिखाई देने वाले हर शव के कपड़े कहते हैं कि मोदी की व्यवस्था का सिर उसी रेत में दब गया है. प्रधानमंत्री पर उनका हमला उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गंगा नदी के तट पर कई शवों के दबे होने के बाद हुआ, जबकि उनमें से कई को नदी में तैरते हुए भी देखा गया था. सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों में अधजले और क्षत-विक्षत शवों की कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए हैं.

### कोरोना से मरने वालों के परिवार को 4 लाख रुपये मुआवजा की मांग

## सुप्रीम कोर्ट ने मांगा केंद्र सरकार से जवाब

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस महामारी से मरने वालों के परिवार को मुआवजा दिए जाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है. सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कोरोना से मरने वालों के परिजनों को 4 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की गई है. इसके साथ ही याचिका में यह भी कहा गया है कि सभी राज्यों को यह निर्देश दिया जाए कि वह मरने वालों के डेथ सर्टिफिकेट में मौत की सही वजह दर्ज करें, ताकि परिवार को मुआवजा मिल सके. सुप्रीम कोर्ट अब इस मसले पर 11 जून को सुनवाई करेगा. सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल और रीपक कंसल ने दाखिल की है. याचिका में कहा गया कि नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट की धारा-12 में आपदा से मरने वाले लोगों के लिए सरकारी मुआवजे का प्रावधान है. याचिकाकर्ताओं ने कहा कि पिछले साल केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से मृतकों के परिजनों को 4 लाख का मुआवजा देने को कहा था, लेकिन इस साल ऐसा नहीं हुआ.

## हिमाचल प्रदेश में 31 मई तक कोरोना कर्फ्यू बढ़ाया गया

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 31 मई तक कोरोना कर्फ्यू को बढ़ा दिया है. यह फैसला हिमाचल प्रदेश के सीएम जयराम रमेश सरकार ने लिया. वहीं, सोमवार को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने पालमपुर उपमंडल के एरीर में धार्मिक संप्रदाय राधा स्वामी सत्संग ब्यास द्वारा कोविड-19 के मरीजों के लिए निर्मित एक अस्थायी अस्पताल का शुभारंभ किया. इस अस्पताल में 250 बिस्तरों की क्षमता होगी. मुख्यमंत्री ने वर्चुअली ढंग से अस्पताल को समर्पित करते हुए कहा कि मरीजों और उनके परिचारकों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराकर संप्रदाय के स्वयंसेवक मानवता की सेवा कर रहे हैं. मरीजों के लिए बेहतर इलाज को सुनिश्चित करने के लिए अस्पताल के सभी बिस्तरों को ऑक्सीजन की आपूर्ति से लैस किया गया है. ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य ढमता के बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है. राज्य के प्रयासों के कारण ही केंद्र सरकार ने हिमाचल के लिए ऑक्सीजन कोटा को 15 से बढ़ाकर 30 मीट्रिक टन (एमटी) कर दिया है. उन्होंने कहा कि सरकार ने अब केंद्र से ऑक्सीजन की आपूर्ति को 10 मीट्रिक टन बढ़ाने का आग्रह किया है और वह सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गई है.

## कोरोना को इंडियन वेरिएंट बताने पर कमल नाथ पर मामला दर्ज

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ द्वारा कोरोना को इंडियन वेरिएंट बताए जाने के बयान को भाजपा ने भारत की छवि बिगाड़ने के साथ देश-विरोधी बताते हुए पुलिस में शिकायत की. इस शिकायत की जांच के बाद पुलिस की अपराध शाखा ने कमल नाथ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है. वहीं कमल नाथ का कहना है कि वे डरने वाले नहीं है. अंतिम सांस तक जनता के लिए लड़ेंगे. भाजपा ने राज्य के अनेक स्थानों पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज करने आवेदन दिया. भोपाल में जिला इकाई द्वारा एमपी नगर स्थित क्राइम ब्रांच में पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के खिलाफ मामला दर्ज करने का शिकायती पत्र प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा. भाजपा की शिकायत पर भोपाल की अपराध शाखा ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

प्रतिनिधिमंडल ने शिकायती ज्ञापन में कहा कि कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ ने 22 मई शनिवार को कहा कि ंदुनिया में जो कोरोना फैला हुआ है, अब उसे इंडियन वेरिएंट कोरोना के नाम से जाना जा रहा है. कमल नाथ ने यह भी कहा कि कई देशों के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति कोरोना को इंडियन वेरिएंट के नाम से पुकार रहे हैं. ऐसे समय में कमल नाथ का यह बोलकर जनता को भ्रमित कर रहे और देश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम कर रहे हैं. उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी दिशा-निदेशें का भी उल्लंघन किया है. कमल नाथ का यह कृत्य भारतीय दंड विधान के अनुसार राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है. उन्होंने आगे कहा कि मैं आज फिर अपनी बात को दोहराते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से मांग करता हूं कि आपके द्वारा कोरोना से मृत्यु होने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की जो घोषणा की गयी थी वो राशि अपर्याप्त है, उसे बढ़ाकर तत्काल पांच लाख रुपये किया जाए.

## अब एमपी के शाजापुर में महिला अधिकारी ने लड़के को मारा थप्पड़, कोरोना कर्फ्यू का हो रहा था उल्लंघन

**शाहाजपुर।** छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिला कलेक्टर रणबीर शर्मा द्वारा एक लड़के को थप्पड़ मारने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में कोरोना कर्फ्यू के दौरान एक दुकान खुली मिलने पर वहां के एक लड़के को महिला प्रशासनिक अधिकारी द्वारा थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल हो गया है। शाजापुर का यह मामला दो दिन पुराना बताया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन का अमला नगर की स्थिति का जायजा लेने निकला था।

### अयोध्या में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या

## संपत्ति विवाद में भांजे ने रेत दिया गला

**अयोध्या।** उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या से दहशत फैल गई. बताया जा रहा है कि पति-पत्नी और 3 बच्ची की हत्या की गई और सनसनीखेज घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया. शनिवार देर रात में इन लोगों को गला रेतकर मौत के घाट उतारा गया है. जिसके बाद पूरे इलाके में डर का माहौल बन गया. मृतकों में अयोध्या के निसारु गांव के रहने वाले राकेश कुमार और उनकी पत्नी ज्योति के अलावा दोनों के तीन बच्चे हैं. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. अयोध्या के आलाधिकारी भी सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए. इस हत्याकांड का आरोप दंपति के भांजे पर लगा है. बताया जाता है कि नवासे की जमीन को लेकर भांजे का मामा के साथ काफी दिनों से विवाद था. शनिवार देर रात भांजे ने अपने मामा राकेश और मामी ज्योति समेत उनके तीनों बच्चों की हत्या कर दी. आरोपी ने धारदार हथियार से पांचों का गला रेत डाला और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया. सुबह जब ग्रामीणों की इसकी जानकारी मिली तो पूरे गांव में दहशत फैल गई. जानकारी मिलते ही भारी संख्या में ग्रामीण वहां जमा हो ग और पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई.

## हीरा के लिए कुर्बान होने वाले बुंदेलखंड के जंगलों को बचाने खातिर हो रहे गोलबंद

भोपाल। सूखा, गरीबी, पलायन और बेरोजगारी के लिए दुनिया में पहचाने जाने वाले बुंदेलखंड के हरे-भरे जंगलों को भी उजाड़ने की इबारत लिखी जाने की तैयारी है. इस बार निशाने पर हैं छतरपुर जिले के बक्सवाहा के जंगल, जहां हीरो की खुदाई की जानी है. इसके लिए यह इलाका एक निजी कंपनी को सौंपा जा रहा है. सरकार और निजी कंपनी के बीच चल रही कवायद का विरोध शुरू हो गया है और गांव से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पर गोलबंदी भी तेज हो गई है. सूत्रों की मानें तो छतरपुर जिले के बक्सवाहा में हीरो का भंडार है और यहां लगभग 3.42 करोड़ कैरेट हीरे दबे हो सकते हैं. इसकी कीमत कई हजार करोड़ आंकी गई है. यहां हीरा पन्ना से ज्यादा होने का अनुमान है. जिस कंपनी ने हीरे खनन का काम लेने में दिलचस्पी दिखाई है, वह इस इलाके की लगभग 382 हेक्टेयर जमीन की मांग कर रही है. ऐसा अगर होता है तो इस इलाके के लगभग सवा दो लाख वृक्षों पर असर पड़ेगा और यूं कहें कि सीधे तौर पर वे नष्ट कर दिए जाएंगे, इनमें लगभग 40 हजार पेड़ तो सागौन के ही हैं इसके अलावा पीपल, तेंदू, जामुन, बहेड़ा, अर्जुन जैसे औषधीय पेड़ भी हैं।

## मंदसौर में मरीजों को मिल रही निशुल्क एंबुलेंस सेवा

बताया गया है कि लगभग साल पहले राज्य सरकार ने इस जंगल की नीलामी की प्रक्रिया शुरू की थी और एक ने सबसे ज्यादा की बोली लगाई, इसके चलते यह जमीन 50 साल के लिए पट्टे पर दी जाने वाली है. बताया गया है कि इस जंगल में लगभग 63 हेक्टेयर इलाका ऐसा है, जहां हीरा निकलने की संभावना है और इसे चिन्हित भी कर दिया गया है, लेकिन परियोजना के तहत 382 हेक्टेयर जमीन की मांग की गई है. बताया गया है कि जो जमीन मांगी गई है, उसमें से 205 हेक्टेयर जमीन का उपयोग खनन और खदानों से निकले मलबे को जमा करने के लिए किया जाएगा. इस परियोजना पर कंपनी लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये खर्च करने वाली है.

## यास तूफान को लेकर अमित शाह ने कोविड अस्पतालों को दिए ये निर्देश

**नई दिल्ली।** देश के गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवाती तूफान यास से निपटने के लिए सोमवार को ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ तैयारियों का जायजा लिया. गृह मंत्री ने उन्हें कोविड के लिए समर्पित अस्पतालों में पावर बैकअप की व्यवस्था करने, ऑक्सीजन उत्पादन केंद्रों और अन्य चिकित्सकीय सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से यह बैठक की और इस दौरान उन्होंने चक्रवाती तूफान यास से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रालयों और एजेंसियों की तैयारियों का आकलन करने के लिए उनसे बातचीत की. यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रविवार की समीक्षा बैठक के बाद हुई है. अमित शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वाहनों की आवाजाही में संभावित व्यवधान आने की बात को ध्यान में रखते हुए अस्पतालों में सभी आवश्यक दवाओं और आपूर्ति का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने की सलाह दी. गृह मंत्री ने चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना वाले अस्थायी अस्पतालों सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को नुकसान से बचने के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने और यदि आवश्यक हो तो रोगियों को पहले से ही वहां से निकालकर कहीं और शिफ्ट करने की सलाह दी. शाह ने कहा कि इस संबंध में पश्चिमी तट पर की गई अग्रिम कार्रवाई ने सुनिश्चित किया है कि चिकित्सकीय सुविधा पर किसी भी तरह का कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े. उन्होंने पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में स्थित ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों पर चक्रवात के प्रभाव की भी समीक्षा की और उन्हें दो दिनों के लिए ऑक्सीजन का बफर स्टॉक रखने और आवंटित राज्यों में ऑक्सीजन टैंकरों की आवाजाही के लिए योजना बनाने की सलाह दी, ताकि यदि कोई व्यवधान आए भी तो उससे, आवंटित राज्यों की आपूर्ति प्रभावित न होने पाए. चक्रवाती तूफान यास के कारण हुए खराब मौसम के चलते पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे पर हवाई संचालन पर रोक लगा दी गई है. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अनुसार, भारी बारिश और 20-25 समुद्री मील की हवाओं का 35 समुद्री मील तक घनीभूत होने के चलते यह कदम उठाना आवश्यक समझा गया. प्राधिकरण ने अपने एक बयान में कहा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे पर अनुसूचित नागरिक उड़ान संचालन को आज 24 मई, 2021 के लिए निलंबित कर दिया गया है.

## एक नजर...

### कोरोना की भेंट चढ़े मुहूर्तः लॉकडाउन खुला तो जून-जुलाई में शादी के 10 ही मुहूर्त

**श्योपुर।** लगातार दूसरे साल भी अप्रैल, मई का वैवाहिक सीजन लॉकडाउन की भेंट चढ़ गया। कोरोना संक्रमण के चलते प्रशासन ने वैवाहिक समारोह पर अंकुश लगा दिया है। जिले में जो शादियां होना हैं उनमें भी सिर्फ 20 लोगों के ही शामिल होने की अनुमति की बात प्रशासन ने कही है। ऐसे में लोगों के सामने समस्या यह है कि वे बारात निकालें या बैंड वालों को बुलाएं। ऐसी स्थिति में कई लोगों ने शादियां आगे बढ़ा दी हैं। यहां तक कि अक्षय तृतीया जैसे महामुहूर्त में भी शादियां नहीं हो सकीं। अब जून में अनलॉक की संभावना बन रही है। प्रशासन यदि विवाह समारोह की अनुमति देता भी है तो जून और जुलाई में विवाह के केवल 10 मुहूर्त ही बचे हैं। इसके बाद नवंबर में शादियों का सिलसिला शुरू होगा।

**बात 2020 के लॉकडाउन की-**कोरोना संक्रमण के कारण 2020 में भी अप्रैल-मई का वैवाहिक सीजन लॉकडाउन में ही निकल गया था। लोगों को शादियां कैंसिल करनी पड़ी थी। इसके बाद नवंबर दिसंबर में शादियां हुईं। उस समय भी प्रशासन ने सीमित संख्या में मेहमानों के बीच शादियों की परमिशन दी थी। उस समय भी विवाह मुहूर्त कम होने से शादियों का वह रंग नहीं जम सका था जो सामान्य स्थिति में रहता है। इसलिए कई लोगों ने अप्रैल-मई 2021 में शादी करने की तैयारी की थी। लेकिन कोरोना की दूसरी लहर ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। फिर से लॉकडाउन और विवाह समारोह पर रोक के कारण कई लोगों ने शादी आगे बढ़ाई है। अब ये शादियां जून-जुलाई में या फिर नवंबर-दिसंबर के सीजन में होने की संभावना है। यदि जून में लॉकडाउन खुलता है और शादियों के लिए परमिशन दी जाती है तो अधिकांश लोग गाइड लाइन के तहत शादियां करने को तैयार होंगे।

### मूंजरी गांव के आदिवासी परिवारों को तीन माह से नहीं मिला राशन

**श्योपुर।** कराहल। कोरोना संक्रमण के बीच जहां एक और सरकार लोगों की मदद के लिए तीन महीने का राशन एक साथ निःशुल्क दे रही है। वहीं कराहल क्षेत्र के मूंजरी गांव के आदिवासी परिवारों को तीन से महीने से राशन नहीं मिला है, जिससे वह काफी परेशान बने थे। जब इसकी जानकारी एकता परिषद को मिली तो एकता परिषद के कार्यकर्ताओं ने गांव में 20 जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री बांटी। एकता परिषद के समन्वयक रामदत्त सिंह तोमर ने बताय कि, एकता परिषद जन संगठन द्वारा कोरोना महामारी में समुदाय को राहत देने के लिए आपदा राहत कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत परिषद के कार्यकर्ता लोगों को कोरोना महामारी से बचाव के टीका लगवाने, दवाई और खाद्य सामग्री उपलब्ध जैसे काम कर रहे हैं। परिषद के इस कार्य को देखकर मूंजरी गांव के एक युवा मलखान ने वाट्सअप ग्रुप के माध्यम से सूचना दी गई की मूंजरी गांव मे लोगों के पास खाद्यान्न सामग्री नहीं है और समुदाय भूखा रहने को मजबूर है। तब एकता परिषद के कार्यकर्ताओं ने तुरंत गावं में पहुंचकर जरुरतमंद परिवारों को राशन समग्री उपलब्ध कराई गई। जब कार्यकर्ताओं ने उक्त परिवारों से उचित मूल्य की दुकान से मिलने वाले मुक्त राशन के बारे में चर्चा की तो समुदाय के लोगों ने बताया कि, विगत तीन माह से राशन सामग्री नहीं मिली है।

### खाना बनाते समय सिलिंडर में आग लगी, पांच झुलसे

**श्योपुर:** शहर के भोई मोहल्ला में खाना बनाते समय सिलेंडर में अचानक आग लग गई। इस घटना में एक ही परिवार के बच्चे सहित पांच लोग झुलस गए। इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। भोई मोहल्ला निवासी 38 वर्षीय महिला शिमला बाई रविवार की शाम घर पर खाना बना रही थी, तभी अचानक सिलेंडर की पाइप खुल गई और उसने आग पकड़ ली। आग पूरे कमरे में इतनी जल्दी फैल गई की लोगों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। बताया गया है कि महिला के दो कमरे में बने हुए हैं और दोनों कमरे अंदर बाहर होने के कारण रास्ता एक ही है। अंदर वाले कमरे में बच्चे व परिवार के लोग बैठे थे। बाहर वाले में महिला खाना बना रही थी। जब सिलिंडर में आग लगी तो अंदर वाले कमरे में बैठे बच्चे व अन्य लोग इसकी चपेट में आ गए। स्वजनों का कहना है कि अगर जलती आग से नहीं निकलते तो आग से अंदर ही जल जाते हैं। जब इस बारे में आस-पड़ोस के लोगों को पता चला तो उन्होंने दौड़कर पानी डालकर कड़ी मश्कत के बाद आग को बुझाया।

**ये लोग झुलसे-**सिलिंडर में आग लगने से एक ही परिवार के जो पांच लोग झुलसे हैं, उनमें 38 वर्षीय शिमला बाथम, 20 वर्षीय अजय बाथम, 18 वर्षीय निकिता बाथम और बच्चे दीपिका व दीपक झुलस गए। बताया जाता है कि दीपक बाथम पड़ोस में रहता है। वह महिला के बच्चों के साथ खेल रहा था तो वह भी झुलस गया।

### जिला अस्पताल में ऑक्सीजन सिलिंडर की किल्लत खत्म, अब 200 का स्टॉक

**श्योपुर।** जिला अस्पताल में लगभग 3 सप्ताह पहले 2 मरीजों की मौत के बाद स्वजनों ने ऑक्सीजन की किल्लत का आरोप लगाया था। इसके बाद ऑक्सीजन सिलिंडर की कमी के साथ स्वजनों की आपाधापी की कुछ फोटो भी सामने आए थे। इसमें स्वजन कंधे तो किसी अन्य तरह से सिलिंडर ले जाते हुए नजर आए थे। इसके बाद प्रशासन ने पूरी व्यवस्था को नए सिरे से सुधारा। अब स्थिति एकदम बदल गई है। पूर्व में जहां एक-एक सिलिंडर के लिए स्वजन संघर्ष कर रहे थे, उस अस्पताल में 180 से 200 सिलिंडर बचत में है।

### कोविड-19 टीकाकरण के संबंध में निर्देश जारी

**श्योपुर।** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के टीकाकरण संचालक डॉ. संतोष शुक्ला ने कोविड-19 टीकाकरण के संबंध में प्रदेश के समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला टीकाकरण अधिकारी को निर्देश जारी किये हैं। कोविड-19 संक्रमण से पूर्ण रूप से स्वस्थ्य हुए व्यक्ति का टीकाकरण 3 माह के अंतराल पर किया जा सकता हैं। जिन रोगियों को कोविड-19 संक्रमण के दौरान मोनोक्लोनल एन्टीबॉडीज एवं कॉन्वलेसेन्ट प्लाज्मा दिया गया है, ऐसे रोगी अस्पताल से डिस्चार्ज होने के 3 माह के बाद टीकाकरण करा सकते हैं। डॉ. शुक्ला ने बताया कि ऐसे व्यक्ति जो वैक्सीन की पहली डोज लगने के बाद कोविड संक्रमित हुए हैं, उन्हें कोविड संक्रमण से पूर्णतरू स्वस्थ्य होने के 3 माह बाद वैक्सीन की दूसरी डोज दी जानी चाहिए।

### मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना लागू

**श्योपुर।** कोविड-19 से परिवारों के ऐसे बच्चे जिनके दोनों माता-पिता की मृत्यु 01 मार्च 2021 के बाद हुई है, ऐसे बच्चों जिनकी उम्र 21 वर्ष या उससे कम है, परन्तु स्नातक में अध्ययनरत रहने की स्थिति में 24 वर्ष या स्नातक पाठ्यक्रम की निर्धारित अवधि तक इनमें से जो भी कम हो, को0 5 हजार रुपए प्रतिमाह सहायता राशि शासन द्वारा दी जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक बाल हितग्राही को निःशुल्क मासिक राशन प्रदाय किया जाएगा। इसी प्रकार बाल हितग्राही को कक्षा 8 तक निःशुल्क शिक्षा, कक्षा 9 से 12वीं में शासकीय स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा, निजी स्कूल में अध्ययनरत होने पर 10 हजार प्रतिवर्ष की सहायता, इसी प्रकार उच्च शिक्षा में निजी महाविद्यालयों में अध्ययनरत होने पर वास्तविक शुल्क या 15 हजार जो भी कम हो, प्रतिपूर्ति की जाएगी।

# दंदरौआ धाम में महामारी के लिए महामन्त्र का अनुष्ठान

(अर्पित गुप्ता)

**भिण्ड।** कोरोना के लिए पूज्य दंदरौआ सरकार महाराज जी के द्वारा मंदिर प्रांगण में पाँच ब्राम्हणो के द्वारा 6 लाख %राम मन्त्र का 9 दिन का विशेष अनुष्ठान करबाया जा रहा है। जिसमे पूज्य दंदरौआ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर संत श्री श्री1008 रामदास जी महाराज ने विश्व कल्याण की भावना से महामारी पर अंकुश लगाने हेतु भक्तो के ओर से स्वयं यजमान बनकर इस अनुष्ठान को पाँच ब्राम्हणो के द्वारा सम्पन्न करा रहे हैं। मुख्य रूप से अनुष्ठान में मुख्य आचार्य की भूमिका पं. श्री ब्रम्हप्रकाश शुक्ला जी एवं पं. श्री श्यामबिहारी दुबे श्याम जी कर रहे हैं, और इसी के साथ और अन्य तीन ब्राम्हण पं. श्री भोलाराम शास्त्री जी (प्राचार्य संस्कृत विद्यालय दंदरौआ धाम), पं. श्री सुधांशु मोहन गुबरेले जी एवं पं. श्री शिवशंकर कटारे जी इस अनुष्ठान में भूमिका निभाते हुए महामारी पर अंकुश लगाने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

इसी के साथ यह भी बताना मुनासिब होगा कि पूज्य दंदरौआ सरकार महाराज जी के द्वारा पहले भी कई सारे अनुष्ठान इस महामारी के लिए किए जा रहे हैं, जिसमे प्रमुख रूप से मार्च 2020 से अखण्ड सीताराम नाम धुन एवं अप्रैल 2021 से नित्य प्रति हवन, हनुमान बाहुक, बजरंग बाण एवं प्रांगण के शिव मंदिर में महामृत्युंजय मंत्र का भी जाप चल रहा है। और जानकारी के लिए आपको बता दे पूज्य महाराज जी के द्वारा निसहाय कोरोना मरीजो के इलाज हेतु 17 मई 2021 में कोरोना प्रभारी मंत्री श्री प्रधुम्न सिंह तोमर जी को 2 लाख रुपए की सहयोग राशि भी दी गयी है।

**ऑक्सीजन के लिए 11000 वृक्ष लगाएँगे-महाराज जी-**ऑक्सीजन की कमी को ध्यान में रखते हुए पूज्य महाराज जी मे 11000 वृक्ष लगाने का संकल्प भी लिया गया है,जिसमे महाराज जी के नेतृत्व में मेहगॉव एस. डी. एम. विवेक राय एवं ऊर्जा मंत्री श्री प्रधुम्न सिह तोमर जी ने वृक्षारोपण किया।सम्पूर्ण जानकारी पण्डित राघवेंद्र खेमरिया जी द्वारा प्रदान की गई।

### 1600 घरों में 9000 से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग करने BVP के कार्यकर्ता गांव गांव पहुंचे

**बृजपाल सिंह गुर्जर संवादाता**

**मेहगांव।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भिंड के द्वारा पिछले 15 दिनों से ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये चलाये जा रहे आरोग्य अभियान का आज समापन हुआ। अभाविप के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सचिन भदौरिया ने जानकारी देते हुये बताया कि अभी तक विद्यार्थी परिषद भिंड जिले की 6 इकाई के 42 से अधिक गांव व बस्ती में 1600 परिवारों के 9000 लोगों की स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य सर्वेक्षण कर चुकी है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बड़ी सावधानी के साथ अपनी सुरक्षा करते हुये ग्रामीण क्षेत्रों में वैक्सीनेशन और कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान भी चलाया। अभाविप के नगर अध्यक्ष आनंद जैन ने बताया अभाविप ने आरोग्य अभियान के साथ साथ विभिन्न प्रकार के सेवाकार्य भी किये जिसमें अधिक भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर सैनीटाइजर का छिड़काव, मास्क वितरण, चाय व काढ़ा वितरण, पानी, भोजन पैकेट के अलावा मरीजों को ऑक्सिजन सिलेंडर, बेड, दवाइयां आदि उपलब्ध करवाई। अभाविप के नगर मंत्री अनूप गौड़ने बताया कि अभियान में कुल 15 दिनों तक 40 कार्यकर्ता लगे जिन्होंने लगातार प्रशासन के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुये आगे आये और संक्रमण को फैलने से रोका। इस दौरान प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सचिन भदौरिया, नगर अध्यक्ष आनंद जैन, नगर मंत्री अनूप गौड़, मनोज श्रीवास, भूपेंद्र गौड़, आकाश बाथम, अभिषेक डंडोतिया, नितिन बघेल, श्यामू गुर्जर, अजय राठौर, मनोज कुशवाह, आदि लोग सम्मिलित हुये।

# हमारे लिए नर सेवा ही नारायण सेवा हैः अनुज प्रताप

## लायंस क्लब एटा रॉयल लगातार कर रहा है हर गरीब, जरूरतमंद एवं असहाय व्यक्ति की मदद

**व्यूरो सोनू कुमार माथुर**

**एटा।** जनपद में लगातार अपनी समाज सेवा को लेकर सक्रिय रहने वाले लायंस क्लब एटा रॉयल के जिला अध्यक्ष अनुज प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य हर जरूरतमंद, असहाय एवं गरीब व्यक्ति तक जितनी हो सके उतनी मदद पहुंचाना रहता है। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। आपको बता दें विगत वर्ष भी जब पूरे भारत में लॉक डाउन चल रहा था उस समय अनुज प्रताप सिंह चौहान की अगुआई में ह्यूमन वेलफेयर एवं डेवलपमेंट सोसायटी द्वारा लगातार सभी लोगों की सेवा की जा रही थी। इस समय भी उन्होंने फंटलाइन वर्कर्स, कोरोना वॉरियर्स एवं हर गरीब, जरूरतमंद एवं असहाय व्यक्ति को घर-घर खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थ पहुंचा कर उनकी मदद की थी। वहीं इस बार अनुज प्रताप सिंह चौहान द्वारा लायंस क्लब एटा रॉयल की ओर से लगातार सभी गरीब जरूरतमंद एवं असहाय व्यक्तियों की मदद की जा रही है।

एक और जहां लायंस क्लब एटा रॉयल ऐसे हर जरूरतमंद व्यक्ति को जो कि इस कोविड काल में मजबूर होकर कष्ट में जीवन जी रहा है को कोविड की पूरी किट मुफ्त दी गई। इस दौरान लायंस क्लब एटा रॉयल द्वारा फ्रंटलाइन वर्कर्स में शुमार पुलिसकर्मियों होमगार्ड्स एवं अन्य समाजसेवियों को भी खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ एवं मेडिकल किट भी मुफ्त प्रदान की गई। जिला प्रशासन द्वारा लायंस क्लब एटा रॉयल और उसके पदाधिकारियों को कई बार उनके इस नेक कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी क्रम में आज लायंस क्लब एटा रॉयल द्वारा अनुज प्रताप सिंह चौहान की अगुवाई में जिला मुख्यालय पर नगर में जगह-जगह जरूरतमंद लोगों को फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा कोरोना वारियर्स को पेय पदार्थ एवं खाद्य सामग्री वितरित कर उनकी हौसला अफजाई की गई। इस अवसर पर स्वागत पचौरी, डॉ अमन चौहान, पारस गुप्ता, डॉ विक्रांत, देवेश पाल सिंह, स्वामी दादा, आशु सिंह,अतुल सिंह (चुन्ना), निश्चल सक्सेना, रवि तोमर आदि लोग मौजूद रहे।

### पूर्व सीएम कमलनाथ द्वारा जारी किए गए भड़काऊ वीडियो के मामले में भाजपा मंडल के द्वारा प्रकरण दर्ज करने को लेकर दिया आवेदन

**दबोह(अर्पित गुप्ता)।** कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा एक वीडियो जारी किया गया जिसमें वह भड़काऊ बयान देते नजर आ रहे हैं वह कह रहे हैं कि यह चीनी वायरस ना होकर भारत वायरस है आज संकट के समय में सरकार नेता समाजसेवी पुलिस प्रशासन नर्स डॉक्टर सभी इस वायरस के खिलाफ लड़ रहे हैं वही नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ द्वारा दिए गए ऐसे भड़काऊ बयान के द्वारा अशांति फैलने का खतरा है साथी लोगों में भय व्याप्त है आज जब सारा देश कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ा रहा है वही पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा दिया गया भड़काऊ बयान देशद्रोह की श्रेणी में आता है वैसे भी धारा 144 लागू होने के कारण अगर कोई भड़काऊ बयान देता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान हैइसी बात को ध्यान रखते हुए आज भाजपा मंडल महामंत्री राव साहब गुर्जर,रविंद्र चिकवा मंडल,उपाध्यक्ष कुलदीप यादव के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के द्वारा जारी किए गए भड़काऊ वीडियो के खिलाफ आवेदन दबोह थाने में दिया गया दिया गया जिससे उन पर प्रकरण दर्ज करने की मांग भाजपा नेताओं ने की है।

### बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हुई गायों की मौत मृत गायों के नहीं हटाए शव और न हुआ पीएम

## मां गायत्री गौ रक्षा संगठन प्रमुख संतोष चौहान पहुंचे घटनास्थल, जर्जर हालत में बिजली लाइन फिर हो सकता है बड़ा हादसा

**दबोह(अर्पित गुप्ता)।** लहार अनुभाग के ग्राम सलैया (कॉक्सी) के रोड किनारे खेत में बीते रोज मुरावली फीडर कि 11 केवी लाइन अचानक टूट के जमीन पर गिर गई, जिसमें करंट दौड़ रहा था ग्रामीणों द्वारा बिजली विभाग को सूचना दी गई लेकिन लाइट सप्लाई बंद नहीं की गई थी करंट दौड़ रहे तारों की चपेट में आकर बीते रोज दो गायों की मौत हो गई थी सूचना देने के बाद भी और दो गायों की मौत हो जाने के बाद भी बिजली विभाग के कर्मचारी लाइन जोड़ने नहीं पहुँचे थे लाइन जर्जर हालत में है जगह जगह जॉइंट लगे हैं जर्जर लाइन के फिर से टूट के गिरने की आशंका है जिससे फिर बड़ा हादसा हो सकता है बिजली विभाग जान कर भी अनजान बना हुआ है और लापरवाही बरत रहा है गायों के मालिक नरेंद्र मिश्रा ने थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई उस पर एफ आई आर तो की गई लेकिन मृत गायों का प्रशासन द्वारा पीएम नहीं करवाया गया और ना ही रोड किनारे डली मृत गायों के शवों को हटवाया गया गायों के शवों से दुर्गंध दौड़ रही है जिसके कारण बीमारी फैलने की आशंका है और रोड से गुजरते राहगीरों को दुर्गंध से परेशानी हो रही है जानकारी मिलने पर गौरक्षा संगठन प्रमुख संतोष चौहान घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली संतोष चौहान ने प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि गायों की मौत के दोषी लापरवाही बरतने वाले बिजली विभाग पर कड़ी कार्रवाई की जाए और गौ मालिक को मृत गायों का मुआवजा दिलवाया जाए।

# कहीं अन्नपूर्णा तो कहीं आसरा के रूप में दिखा राष्ट्रीय अध्यक्षा नम्रता पाठक के जन्मदिवस का आयोजन

**व्यूरो सोनू कुमार माथुर**

**एटा।** राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा ब्राह्मण हितो में और सेवा नीति के तहत राष्ट्र निर्माण में सहजता से सक्रिय रहती हैं। राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भृगुवंशी आशुतोष पांडेय के निर्देशानुसार संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओ ने राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला मोर्चा नम्रता पाठक पत्नी कानून मन्त्री उत्तरप्रदेश ब्रजेश पाठक का जन्मदिन समाज में जरूरतमंद लोगो को इस महामारी में भोजन करवा और राशन वितरण कर मनाया। देश के कोने कोने से जूम एप्प के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने अपने अपने क्षेत्र में यह कार्यक्रम चलाया जिसमे पदाधिकारी से लेकर संगठन से जुड़े सांसदों और विधायकों ,पूर्व मंत्री की पत्नियों ने भी आगे बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा भगवान् परशुराम की जनकल्याण नीति को और न्यायोचित व्यवस्था की पक्षधर रही हैं और सत्ता पक्ष हो या विपक्ष लगभग सभी जगह प्रतिनिधित्व कर रहे ब्राह्मण राजनेता संगठन में विशेष लगाव रखते हैं।

संगठन ने दिखावे की नीति से अलग हटकर सदा जमीनी सेवा और विप्र उद्धार कार्यो में श्रेष्ठता की भागीदारी की हैं और आज महिला मोर्चा के पदाधिकारियों समेत संगठन से जुड़ा हर कार्यकर्ता अपनी राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष के जन्मदिवस को ख़ास बनाने में लगा हुआ हैं। देश के कोने कोने से बधाईयों का तांता लगा हैं और साथ ही साथ कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यकर्ता वर्चुअल जन्मदिवस का आयोजन आज शाम को भगवान् परशुराम की आराधना और उनकी विशेष अनुकम्पा में संचालित किया। राष्ट्रीय महामंत्री डॉ विनोद तिवारी उत्तरप्रदेशपूर्व मन्त्री सीपी मिश्रा राष्ट्रीय महामंत्री संगठन मुकेश पाठक राष्ट्रीय महामंत्री नितिन चतुर्वेदी राजस्थान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार उपाध्याय असम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,राष्ट्रीय महामंत्री शिवम शर्मा पंजाब ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सिद्धार्थ अवस्थी , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदुकुमार पाठक मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरज दुबे मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी विजय शुक्ला,राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला मोर्चा संध्या त्रिपाठी, राष्ट्रीय प्रवक्ता पंडित पवन आचार्य उत्तराखंड ,राष्ट्रीय मंत्री अतितानन्द त्रिपाठी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री विनीत भारद्वाज, राष्ट्रीय संगठन मंत्री अतुल पांडेय,,राष्ट्रीय महामंत्री महिला मोर्चा निधि वशिष्ठ हरियाणा, मध्यप्रदेश गौरव मिश्रा, महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा दुबे , उत्तराखंड अध्यक्ष अनीता शर्मा, हिमाचल अध्यक्ष कंचन शर्मा, पंजाब अध्यक्ष अशोक पाठक बिहार अध्यक्ष माधेश्वर शर्मा, गुजरात अध्यक्ष जयेंद्र कन्हैया लाल,महाराष्ट्र अध्यक्ष वरुण पाठक,असम अध्यक्ष राजेश मिश्रा,नागालैंड अध्यक्ष धीरेंद्र नाथ उपाध्याय, हिमाचल नारेश शर्मा, झारखंड अध्यक्ष दीपक गौड़, ओडिसा अध्यक्ष विमलकुमार सतसी , वेस्ट बंगाल अध्यक्ष अभय तिवारी,छत्तीसगढ़ अध्यक्ष सूरज शर्मा, चंडीगढ़ अध्यक्ष सुनील किमोठी,उत्तरप्रदेश अध्यक्ष प्रतीक त्रिपाठी ,,प्रदेश संयोजक महिला मोर्चा यूपी तृप्ति दुबे,उत्तरप्रदेश महामंत्री संगठन हिमांशु पांडे ,उत्तरप्रदेश कोषाध्यक्ष विवेक कौशिक जिलाध्यक्ष एटा आशू पाराशर सहित 24 राज्यो के अध्यक्ष महामंत्री अन्य पदाधिकारियों से शामिल रहे।

# बाजार खुलते ही उमड़ा जन सैलाब

## जनता द्वारा सोशल डिस्टेंस का नहीं किया गया पालन, बिना मास्क के लोग दिखे

**उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे भिण्ड**

भिण्ड। जिला प्रदेश के उन जिलों की सूची में है जहां कोविड संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान सबसे पहले अनलॉक किया गया। पिछले एक महीने से ज्यादा समय से जिलेभर के बाजारों में कोरोना कर्फ्यू का पालन कराया जा रहा था। सोमवार को जिले के कई बाजारों को राहत दी गई। बाजार खुलने की खबर के साथ ही बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी।

भिंड शहर से लेकर आस पास के कस्बों में सोमवार से बाजारों को खोले जाने की राहत जिला प्रशासन ने दी। यह बाजारों को सशर्त खोले जाने की गाइड लाइन तैयार की गई। इस दौरान दैनिक उपयोगी की वस्तुएं, सर्विसेज सेक्टर्स व कृषि संबंधी सामग्री की खरीद फरोख्त की जा सकेगी। बाजार के खुलने की खबर के बाद सोमवार को भिंड शहर के साथ आस पास कस्बों के बाजारों में ग्राहकों की भीड़ आई। बाजार में दुकानों पर कतार में खड़े होकर ग्राहक खरीदारी करने के लिए तैयार थे। दुकानों पर गोल घेरे व रस्सी बांधकर ग्राहकों के बीच सोशल डिस्टेसिंग का पालन नहीं कराया जा सका। सबसे ज्यादा बुरे हालात मिहोना कस्बे के बाजार का देखने को मिला। यहां का बाजार संकरा बाजार है। यह नगर का रास्ता भिंड, लहार और यूपी की सीमा से जुड़ता है। यहां के बाजार में हर दिन भीड़ रहती है। सोमवार को भी यह हालात रहे। बाजार में कुछ ऐसे भी लोग नजर आए जिन्होंने चेहरे पर मास्क नहीं लगाया था।

**गोल मार्केट पर पुलिस दिखी सख्त**-भिंड शहर के गोल मार्केट पर कोरोना कर्फ्यू की ढील के दौरान कई दुकानें खुली। इस दौरान पुलिस सख्त दिखी। जिला प्रशासन के अफसर भी गश्त करते नजर आए। पूरे समय पुलिस प्रशासन के अफसर सख्ती दिखाते रहे। इधर लहार, गोहद, मेहगांव व अटेर में भी बाजार खुले। इन क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा लाउंडस्पीकर से कोविड नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी जाती रही। 12 बजे के बाद इन क्षेत्रों के बाजारों को बंद करा दिया गया।

## निर्माण कार्यः बस स्टैंड परिसर का सीमेंटीकरण कार्य अधूरा, बारिश में यात्री होंगे परेशान

**सबलगढ़।** बस स्टैंड परिसर में कराया गया सीमेंटीकरण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है। इस कारण वर्तमान में इस परिसर में बारिश का पानी भरा हुआ है। अगर आगामी 20 दिन में बस स्टैंड परिसर की हालत की दुरूस्त नहीं किया तो, लॉकडाउन खुलते ही यात्रियों की फजीहत होना तय है। यहां बताना जरूरी है कि बस स्टैंड का निर्माध अधूरा पड़ा होने से वहां आधे परिसर में बड़े-बड़े गड्ढे हो रहे हैं। वर्तमान में इन गड्ढों में बारिश का पानी भरा है। हालांकि नगर पालिका द्वारा इन गड्ढों में मिट्टी भी भरवाई गई, लेकिन पर्याप्त मिट्टी नहीं डलने से हालात खराब है। जिलें में लॉकडाउन लागू होने से इन दिनों बस स्टैंड परिसर में 4 या 5 बसें ही आ रहीं हैं तथा यात्रियों की संख्या भी कम है। लेकिन 1 मई से लॉकडाउन खुलने की स्थिति में बस स्टैंड से लगभग 200 बसों का संचालन शुरू होगा और यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ेगी।

# कोविड-19 से बचने जिंदगी का टीकाकरण अवश्य करें : महेंद्र पटेल अध्यक्ष पवार समाज संगठन लांजी

**रितेश कटरे ब्युरो चीफ**

**बालाघाट /** कोविड 19 से खुद को , परिवार को , देश को बचाने का एक ही तरीका है , टीकाकरण। जिन देशों में बहुत तेजी से टीकाकरण हुआ है, वह अब इस वायरस से बहुत हद तक कम लोग प्रभावित हो रहे है। टीकाकरण के संबंध में आम जनमानस से पवार समाज संगठन लांजी के वर्तमान अध्यक्ष, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बालाघाट के पुर्व जिला उपाध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत दहेगांव के पुर्व सरपंच महेन्द्र पटेल ने अपील की है कि वैज्ञानिकों ने दिन - रात एक करके बहुत ही कम समय में हमारे सामने टीका लाकर रख दिया है। इसके लिए सभी वैज्ञानिकों का, शोधकर्ताओं का और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।साथ ही अब हमें यह टीका लगवाना है। इस टीके को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां भी समाज में फैल रही हैं, लेकिन याद रखिए , यह टीका वैज्ञानिक अनुसंधान और एक प्रयोग प्रक्रिया के बाद स्वीकृत किए गए है।

**अफवाहों पर ध्यान ना दें - श्री महेंद्र पटेल**

श्री पटेल ने आम जनमानस में फैली हुई अफवाहों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह से टीकाकरण को लेकर क्षेत्र में, समाज में और देश में अफवाहें चल रही है, उन अफवाहों पर ध्यान ना दें। वेक्सीन पुरी तरह से सुरक्षित है, और लगाने वाला भी पूरी तरह सुरक्षित है। जो भ्रामक प्रचार कर रहे थे, आज वह भी जान गए हैं कि टीकाकरण सुरक्षित है और वह भी टीका लगा रहे हैं। बुखार आने वाली बात को लेकर अपने कहा कि जब टीके के तत्व शरीर में पाए जाते हैं, तब शरीर का प्रतिरोध तंत्र कोविड-19 से लड़ता है। जब हमारे शरीर का प्रतिरोध तंत्र एंटीबॉडी बनाता है, तब शरीर का तापमान बढ़ता है और बुखार आता है। बुखार आने का मतलब यह है कि टीके ने अपना काम शुरू कर दिया है। इसलिए घबराये नहीं। टीकाकरण के पूर्व किसी प्रकार का तनाव ना पाले। टीकाकरण पश्चात पोषण युक्त भोजन करें ।

## बांटीया परिवार की तरफ से आज 450 खाध्य सामग्री के कीट वितरण किये

**बेंगलूर।** बनसंकरी आज अपना राष्ट्र वैश्विक महामारी कोविड 19 कोरोना वायरस संक्रमण के विरूद्ध जंग लड़ रहा है इस संकट की घड़ी में दिहाडी मजदूर सबसे ज्यादा परेशान हैं और सिर पर छत और दो वक्त की रोटी की तलाश में गाँवों व शहरी क्षेत्र में निवास करने वालों के लिए बेंगलूर बनसंकरी मे निवास कर रहे है स्वर्गीय मंगल चंद के पुत्र देवीचंद सुपुत्र दीपेश मीतेश बांटीया परिवार वालों की तरफ से राशन के 450 किट बनाकर जरूरंत को वितरण किया खाध्य सामग्री वितरण करते समय सामाजिक दुरी का विसेष ध्यान रखा गया इस कार्यक्रम मे कारपेंटर बसुराज व अन्य सदस्य मोजूद रहे।

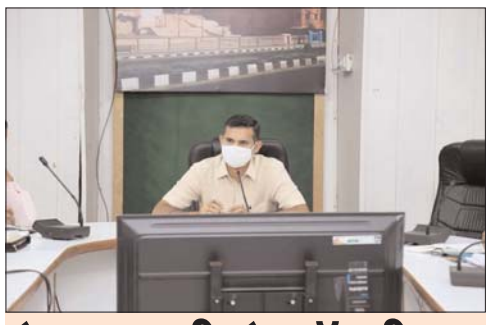

# टेवा कम्पनी ने ऑक्सीजन प्लांट कार्य शुरू किया

**नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे**

**भिण्ड(ब्यूरो)।** जिला प्रशासन की पहल पर जिला अस्पताल भिण्ड में टेवा कंपनी की सीएसआर एक्टिविटी के तहत पहला ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। जो की जिला अस्पताल में 25 बिस्तरों को बिना सिलेंडर के सीधे ऑक्सीजन की सप्लाई देने में सक्षम होगा। इस दौरान कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, एसपी मनोज कुमार सिंह एवं सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा उपस्थित थे।

# अजीत सिंह चौहान बने करणी सेना भारत कासगंज के जिला अध्यक्ष

**कासगंज।** करणी सेना भारत कासगंज अजीत सिंह चौहान के कार्यकाल को सक्रियता को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरू भैया जी ने एक बार फिर कासगंज जिला अध्यक्ष मुख्य प्रकोष्ठ नियुक्त किया जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर ममतेश चौहान, मोहित सिंह चौहान, आदित्य सोलंकी, बृजेश सोलंकी, शुभम सोलंकी ,संकल्प चौहान, नीतीश चौहान, पुष्कर पुंडीर, कृष्ण प्रताप चौहान, मनिंदर सिंह, अंकित ठाकुर, शेखर सोलंकी, आलोक राघव ,अनुज चौहान, अंशुल सोलंकी, पुजारी चौहान, आकाश सोलंकी,आदि लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

# कमलनाथ प्रदेश का माहौल खराब करना चाह रहे है, उन पर प्राथमिकी दर्ज की जाएः विवेक जैन

**गोहद।** भारतीय जनता पार्टी नगर मण्डल द्वारा थाना प्रभारी गोहद को ज्ञापन सोप कर पूर्व मुख्यमन्त्री कमलनाथ व सबलगढ़ विधायक वैजनाथ कुशवाह पर प्राथमिकी दर्ज करने की कहा है। ज्ञापन के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सबलगढ़ विधायक वैजनाथ कुशवाह की सयुक्त बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें प्रदेश का माहौल खराब करना चाह रहे है व किसानों को भड़काने जैसी बातचीत कर रहे है। कमलनाथ में हनीट्रैप की सीडी छुपाकर आपराधिक कृत्य किया है। कमलनाथ के पास सबूत होने के बावजूद उन्होंने सबूत एसआईटी व न्यायालय को क्यो नही दिए। कमलनाथ द्वारा कोविड 19 के फर्जी आंकड़ो के साथ जनता को भृमित करने का कार्य कर रहे है। आज भाजपा के पूरे देश व प्रदेश के कार्यकर्ता जनभावनाओं के साथ जनता के दुख में साथ मे खड़े है इस पर भी कांग्रेस वोटों के लिए तुस्टीकरण की राजनीति कर रही है। भारतीय जनता पार्टी इसकी घोर निंदा करती है। कांग्रेस की नीति आग लगाने की है और वह अपने इसका दुरुपयोग करना कांग्रेस का चरित्र रहा है। 1984 की घटना हम सब परिचित है। मन्दसौर में किसानों को प्रभारी से मांग की है कि बातचीत के आधार पर कमलनाथ व विधायक कुशवाह पर प्राथमिकी दर्ज की जाए।

विधायको को भी वही पाठ पढ़ा रहे है। उमंग सिगार को बचाने के लिए कमलनाथ जो बयानबाज़ी कर रहे व आपत्तिजनक के साथ अपराध की श्रेणी में आता है लोकतांत्रिक पद् पर रहकर तत्कालीन शिवराज सरकार के खिलाफ भड़काना व किसानों के बीच जाकर उनके कार्यकर्ताओ द्वारा हिंसा करवाना कांग्रेस में हमेशा किसानों का उत्पीड़न किया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने थाना ज्ञापन देने वालो में मण्डल अध्यक्ष विवेक जैन, महामंत्री आशीष शर्मा, उपाध्यक्ष प्रमोद कामत, मीडिया प्रभारी सौरभ पांडेय, राजेश नागर प्रमुख रूप से मौजूद थे।

# लॉकडाउन में कथा सुनने नहीं आ रहे लोग

**मुरैना।** एकादशी का व्रत करने वाले को भगवान विष्णु वरदान प्रदान करते हैं। वह व्यक्ति की हर मुराद को पूरा करते हैं। यह बात लिखकर एवं इसका वीडियो बनाकर श्री गिरिराज मंदिर पोरसा के महंत राम किशोर शास्त्री वाट्सएप पर अपने श्रद्धालुओं को भेज रहे हैं। लॉकडाउन की वजह से श्रद्धालु जब मंदिर परिसर में नहीं आ पा रहे हैं, तो शास्त्री ने स्वयं भक्तों तक कथा पहुंचाने के लिए वाट्सएप का सहारा ले लिया। एकादशी के अवसर पर महंत राम किशोर दास शास्त्री ने वाट्सएप के माध्यम से भक्तों को एकादशी की कथा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति एकादसी का व्रत करता है, उसके सभी कष्टों का हरण भगवान विष्णु स्वयं करते हैं। इसलिए प्रत्येक भक्त को एकादसी का व्रत अवश्य करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति एकादशी का व्रत करता है, उसे दुःखों का सामना नहीं करना पड़ता है। इस कोरोना काल में भगवान विष्णु अपने भक्तों की हर मुराद को पूरी करते हैं तथा बीमारी से भी निजात दिलाते हैं।

# चंबल में बढ़ा घड़ियालों का कुनबा

**मुरैना।** चंबल नदी में दुर्लभ घड़ियाल का कुनबा खूब फलफूल रहा है। इन दिनों चंबल के किनारों पर प्राकृतिक माहौल में मादा घड़ियाल मदर कॉलिंग सुनकर बच्चों को जन्म दे रही हैं। वहीं, जलीय-जीव विशेषज्ञ अंडों से मदर कॉलिंग की आवाज सुनकर उनका जन्म करा रहे हैं। देवरी ईको सेंटर पर शनिवार तक 190 बच्चे अंडों से निकल चुके थे और 10 अंडे से बच्चे निकलने का जलीय जीव विशेषज्ञ इंतजार कर रहे हैं। घड़ियाल विशेषज्ञ ज्योति दंडोतिया ने बताया कि उचित समय और तापमान पर ही ये बच्चे अंडों से बाहर निकलते हैं।

मई माह के आखिर से लेकर जून के पहले सप्ताह तक बच्चे निकलते हैं, जिन्हें देवरी ईको सेंटर पर बड़ा कर टैग लगाकर चंबल में छोड़ते हैं। अभी बेमौसम बारिश होने से चंबल का जलस्तर कुछ बढ़ा है। इस समय घड़ियाल के बच्चों का जन्म भी हो रहा है। ऐसे में जलस्तर बढ़ने से घड़ियाल के बच्चों

को नुकसान होने की आशंका है क्योंकि चंबल की बाढ़ में इन बच्चों का बचना मुश्किल रहता है। घड़ियाल के महज 2 फीसदी बच्चे ही बाढ़ में बच पाते हैं। बरसाती मौसम में चंबल में जब पानी का बहाव तेज होता है तो घड़ियाल के बच्चे तेज बहाव को झेल नहीं कर पाते और मर जाते हैं।

### क्या है मदर कॉल

प्राकृतिक वातावरण में मां घड़ियाल अपने घोंसलों के आसपास रहती हैं। ऐसे में अंडों से बाहर आने के लिए घड़ियाल के बच्चों की एक खास आवाज अंडे से आती है जिसे 'मदर कॉल' कहा जाता है। इसे सुनकर मादा घड़ियाल रेत खोद देती है और अंडों से घड़ियाल बाहर आने शुरू हो जाते हैं। कृत्रिम रूप से बने घोंसलों में देवरी ईको सेंटर के विशेषज्ञ ही इस 'मदर कॉल' को सुनते हैं और बच्चों को अंडों से बाहर आने में मदद करते हैं।

# प्रत्येक मरीज की हो कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, सम्पर्क में आये व्यक्ति को आइसोलेट करें: कलेक्टर

**पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ**
**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

**भोपाल।** कलेक्टर अविनाश लवानिया ने जिले के सभी एसडीएम एवं अन्य सबन्धित अधिकारियों को कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर आवश्यक निर्देश है कि एक जून सुबह 6 बजे तक प्रभावशील कोरोना कर्फ्यू के दौरान संक्रमण की चैन को तोड़ा जाये। इसके लिए प्रत्येक नए संक्रमित मरीज की कॉन्ट्रेक्ट ट्रेसिंग की जाये। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आये प्रत्येक व्यक्ति को सख्ती से होम आइसोलेशन में रखें। घरों में आइसोलेशन की व्यवस्था न होने पर संस्थागत आइसोलेट किया जाए। उन्होनें कहा कि लगातार संक्रमित मरीजों वाले हॉटस्पॉट क्षेत्रों को चिन्हांकित किया जाये, उन्हें सख्ती से सील किया जाये। कलेक्टर ने कहा कि संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिये मरीजों का शीघ्र चिन्हांकन किया जाना आवश्यक है। जिसके लिए सभी विकासखंडों में अधिक से अधिक टेस्टिंग की जाये। सुदूर क्षेत्रों में मोबाइल वाहन के माध्यम से टेस्टिंग कलेक्शन किये जायें। किल कोरोना अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम का सर्वे कार्य पूर्ण करें, अभियान के दौरान स्वास्थ्य सर्वे में चिन्हित संदिग्ध व्यक्ति को आइसोलेट कर आवश्यक मेडिसिन किट वितरीत करते हुए उनकी सतत निगरानी की जाये। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता अनुसार ग्रामवार कोविड वैक्सीनेशन के शिविर का आयोजन किया जाये। शिविर आयोजन के पूर्व इसके आसपास के ग्रामों में इसका प्रसार-प्रचार हो,पात्र व्यक्तियों को वैक्सीनेशन के लिये प्रोत्साहित किया जाये।

दैनिक पुष्पांजली टुडे



# सम्पादकीय

## फंगस ने बढ़ाई चुनौती

केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि 'ब्लैक फंगस' को वे महामारी कानून के तहत अधिसूचित करें और एक-एक मामले की रिपोर्ट की जाए। केंद्र ने आम जनता के लिए कोविड संबंधी जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, उनमें कहा गया है कि कोविड संक्रमण हवा में दस मीटर तक फैल सकता है। इससे बचने के लिए डबल मास्क लगाना चाहिए और बंद जगहों पर ताजा हवा के इंतजाम किए जाने चाहिए। धीरे-धीरे वैज्ञानिक इस बात को मानने लगे हैं कि कोविड के फैलने को लेकर जो समझ पहले थी, उसमें सुधार की जरूरत है। शुरुआत में माना गया था कि कोरोना वायरस हवा में दूर तक नहीं फैलता और मरीज के छींकने या खांसने से जो छोटी-छोटी बूंदें गिरती हैं, उन्हीं से यह बीमारी फैलती है। यह भी माना जा रहा था कि ऐसी बूंदें किसी सतह पर पड़ी रहें, तो वे संक्रमण के फैलने का जरिया बन सकती हैं। इसीलिए शुरू में एक मीटर की दूरी बरतने का निर्देश जारी किया गया था और सतहों को न छूने और उनको कीटाणुरहित करने पर जोर था। यह कोई विचित्र बात नहीं है। हवा से किसी वायरस या बैक्टीरिया के नमूने एकत्र करना और उनके खतरों का मूल्यांकन बहुत मुश्किल होता है। टीबी और खसरा जैसी बीमारियों के साथ भी यही हुआ था। लंबे दौर तक यह माना गया था कि ये बीमारियां हवा से नहीं, सिर्फ बूंदों से फैलती हैं, बाद में यह आकलन गलत साबित हुआ। कोरोना वायरस के बारे में भी ऐसे असंदिग्ध तथ्य नहीं मिले हैं, जिनसे ठीक-ठीक बताया जा सके कि कोरोना हवा में कितनी दूर तक फैलता है और उसका खतरा कितनी देर तक रहता है, लेकिन अब यह लगभग आम सहमति है कि कोविड का संक्रमण मुख्यत: हवा से होता है, सतहों को छूने से होने वाले संक्रमण की मात्रा बहुत कम है, इसलिए बार-बार उनको साफ करने की कोई खास जरूरत नहीं है। एक और खास बात जो उभरकर आई है, वह है ताजा हवा की जरूरत। पाया गया है कि बंद कमरों में या ऐसी जगहों पर, जहां हवा के आने-जाने का इंतजाम नहीं है, कोरोना का वायरस देर तक रह सकता है। इसलिए जहां एयर कंडिशनिंग जरूरी भी है, वहां बार-बार ताजा हवा के आने का इंतजाम जरूरी है। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि खुली जगहों पर कोविड संक्रमण के प्रसार की आशंका कई गुना कम हो जाती है। कुछ वैज्ञानिकों का जोर है कि जैसे 19वीं सदी में साफ पानी पर जोर दिया गया था और उससे कई बीमारियों पर नियंत्रण हो गया, वैसे ही अब यदि हवा की गुणवत्ता को मुद्दा बनाया जाए, तो बहुत सारी बीमारियों से मुक्ति मिल सकती है। कोविड ने बीमारियों के फैलने में हवा के महत्व को फिर रेखांकित किया है। दस मीटर यानी काफी बड़े कमरे में कोरोना हवा के जरिए फैल सकता है। यह दस मीटर भी कोई पत्थर की लकीर नहीं है। इससे सिर्फ यही पता चलता है कि काफी दूर तक कोरोना का वायरस हवा में जा सकता है और इसी नजरिए से बचाव के उपाय करने होंगे। वैक्सीनेशन से बचाव को पाने में अभी वक्त लगेगा और वह भी शत-प्रतिशत नहीं होगा। इसलिए बचाव के असली उपाय वही सावधानियां हैं, जिनके पालन में लोग लापरवाही कर जाते हैं। मास्क का सही इस्तेमाल, शारीरिक दूरी का ख्याल और खुली हवा का इंतजाम जैसे तरीके अभी सबसे कारगर बचाव हैं। ब्लैक फंगस ने वैसे भी चुनौती बढ़ा दी है।

# कोरोना से भी ख़तरनाक वायरस पल रहे है हमारे भीतर

क्यूँ सब कोरोना को कोसते हो ? ये तो महज़ छोटा सा वायरस है, कोरोना वायरस ने सिर्फ़ इंसानों की दुनिया ही तो हिला दी है, शरीर के भीतर घुसते ही सर से पैर तक हर अवयव को खोखला कर देता है और ये वायरस जान तक ले लेता है इतना ही तो ख़तरनाक है बस। पर सोचा है कभी समाज को और देश को खोखला करने वाले और धरती से इंसानियत को जड़ से ख़त्म करने वाले कोरोना से भी भयंकर और बर्बाद करने वाले कई वायरसों को हम अपने भीतर बड़े प्यार से गर्व के साथ पालते रहते है। लालच, स्वार्थ, इर्ष्या, किसीके प्रति वैमनस्य, धर्मांधता, छोटी सोच, कपट और षडयंत्र जैसे वायरसों को ख़त्म करने वाली वैक्सीन कब कोई विकसित करेगा। दिमागी कारखानों में हम पालते है इन सारे वायरसों को बड़े नाज़ों से, जो



अपनेपन को, मानवता को, भाईचारे को और इंसानियत को निगल रहे है। देश में अराजकता और समाज में बैर भाव का ज़हर फैला रहे है। परिवारों को विभक्त कर रहे है। क्यूँ कोई कभी ये नहीं सोचता कि निम्न सोच एक तरह का वायरस ही है। दिमाग से निकलकर शब्दों का रुप लेकर जुबाँ तक पहुँचते ही ये वायरस बवंडर जितने ख़तरनाक बन जाते है। हल्की सोच और ज़हरीले शब्द बहुत कुछ तहस-नहस कर सकते है। कुछ लोग सोच से अपाहिज होते है, वह हर छोटी बड़ी बात पर विद्रोही बन जाते है। बिना सोचे समझे जानमाल को नुकसान पहुंचाने और देश को जलाने हाथ में नफ़रत की मशाल लेकर निकल पड़ते है। परिवारों में छोटी सी बात पर अहं का वायरस दंगल खड़ा कर देता है। अपने ही दुश्मन लगने लगते है। ये सारी चीज़ें किसकी उपज है घटिया सोच वाले दिमागी वायरस की ही न। लालच और स्वार्थ जैसे वायरस अपनों के बीच दरारें खड़ी करता है, धर्मांधता और जात-पात वाले वायरस देश को हिस्सों में बांटता है, कपट और षडयंत्र के वायरस परिवारों को तोड़ता है। ऐसे असंख्य वायरसों की वैक्सीन हमें खुद के भीतर तलाशनी होगी। ज़िंदगी बहुत छोटी है तो क्यूँ न प्यार के, भाईचारे के, अपनेपन के और सद्भाव के कैमिकलों से खुद के अंदर एक वैक्सीन तैयार करें और इन सारे वायरसों का इलाज करके खुद की, समाज की और देश की बुनियाद को मजबूत करें। नहीं लगता कि, अगर ये वैक्सीन बन गई तो कुदरत भी राज़ी होगी, ईश्वर भी खुश होंगे और सभ्य और सुंदर समाज का निर्माण होगा।

**( भावना ठाकर, बेंगुलूरु )स्रभावु**

# 12वीं के छात्रों के लिए एमएससी करने का सुनहरा अवसर

प्रिय बच्चों इस वर्ष कोरोना महामारी ने पूरा सेशन लेटे कर दिया है।अभी तक बोर्ड परीक्षा के एग्जाम की डेट तक घोषित नहीं हो पाई है । सभी बोर्ड उच्चपदस्थ अधिकारी इसी उधेड़ बन में है ।परंतु सभी हायर एजुकेशन के संस्थानों ने प्रवेश की सूचना जारी कर दी है।सबने अपनी अपनी प्रवेश आवेदन करने की डेट ,प्रवेश परीक्षा की डेट निर्धारित कर दी है।परंतु कोरोना महामारी के कारण डेट में परिवर्तन संभव है । प्रस्तुत आलेख में अंकित की गई डेट को अनंतिम ना माना जाए ।अपडेट के लिए संस्थानों की वेब साइट को समय समय पर लॉगिन करते रहें। अगर आप इस बार 12 वी की परीक्षा विज्ञान वर्ग से देने जा रहे है या 12 वी परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके है और आप शोध के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते है तो आप के लिए ये आलेख उत्तम है । भारत सरकार ने शोध को बढ़ावा देने के लिए देश भर में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान स्थापित किये है इन संस्थानों में एडमिशन लेकर आप आसानी से पीएचडी में दाखिला ले कर शोध कर अपना कैरियर बना सकते है। आज समेकित कोर्स के बारे में बता रहे है। (1)-एमएससी - ये पांच वर्षीय कोर्स नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च भुवनेश्वर और डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी सेंटर फॉर एक्ससेलेन्स इन बेसिक साइंस मुम्बई में बॉयोलॉजी केमिस्ट्री ,मैथमेटिक्स, फिजिक्स विषय मेंउपलब्ध है। इस कोर्स में प्रवेश लेने के लिये नेस्ट 2021 प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है ।नेस्ट में प्राप्त अंकों के आधार पर ही इस कोर्स में दाखिला होगा।कुल सीट257 उपलब्ध है। कौन इस परीक्षा में बैठ सकता है-?-- अगर आप



12 वी की परीक्षा विज्ञान के साथ 60प्रतिशत (ह्यष्ह्यह्ल के लिए 55प्रतिशत ) के साथ उत्तीर्ण है और आप का जन्म 1 अगस्त2001 के बाद (ह्यष्ह्यह्लऔर दिव्यांग के लिए 5 वर्ष की छूट) का है तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते है ।जो इस वर्ष 12 वी की परीक्षा विज्ञान के साथ दे रहे है वो भी नेस्ट2021में इस शर्त के साथ बैठ सकते है कि वे एडमिशन के समय निर्धारित अंक 12 वी की परीक्षा में प्राप्त कर लेगें। नेस्ट की परीक्षा के केंद्र कहाँ कहाँ है?,-इस कप्यूटर बेस्ड परीक्षा का आयोजन देश भर के 92 केंद्रों में किया जा रहा है। केंद्रों की सूची वेबसाइट पर डाली गई है। आवेदन कैसे करें?- आन लाइन आवेदन 24फरवरी से 15जुलाई के बीच किये जा सकते है। विस्तृत जानकारी पर प्राप्त की जा सकती है। सभी प्रवेश पाने वाले आवेदकों को दीक्षा कार्यक्रम के तहत 60000 रुपये की वार्षिक वजीफा दिया जाएगा। (2)बीएस-एमएस -- ये पांच वर्षीय कोर्स इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एडुकेशन एंड रिसर्च पुणे, कोलकाता, मोहाली, तिरुपति, बरहमपुर, भोपाल, तिरुअनंतपुर में उपलब्ध है। इस कोर्स में चयन निम्न प्रक्रिया द्वारा होता है- (1) किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (के वी पी बाई), (2)जे ई एडवांस्ड ऑफ आई आई टी, (3)स्टेट और सेंट्रल बोर्ड द्वारा विस्तृत जानकारी निम्न प्रकार प्राप्त जर सकते हैं। (3),--एमएससी यह पांच वर्षीय कोर्स भारत भर के कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालय ,संस्थाओं में ही उपलब्ध है।यह कोर्स बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी पिलानी के कैंपस गोआ ,हैदराबाद, और पिलानी में में उपलब्ध है। यह कोर्स फिजिक्स केमिस्ट्री ,मैथ सहित अन्य विषय मे भी उपलब्ध है।इन कोर्सेज में एडमिशन एक परीक्षा के माध्यम से लिया जा रहा है।इस परीक्षा का नाम है क्क ढ्ढ ञ्च स्, ञ्च2021 ।इस परीक्षा के माध्यम से एमएससी, बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग, बीफार्मा में भी दाखिला लिया जा सकता है कौन 2021 परीक्षा में बैठ सकता है,? वह आवेदक ही इस परीक्षा में बैठ सकते है जिन्होंने 2020 में 12वी की परीक्षा मे फिजिक्स ,केमिस्ट्री ,मैथमेटिक्स /बायोलॉजी 75 प्रतिशत अंक तथा अलग अलग 60प्रतिशत प्राप्त किये हो और अंग्रेजी विषय मे निपुण हो। जो आवेदक इस वर्ष 12वी की परीक्षा दे रहे है वो भी आवेदन इस शर्त के साथ कर सकतें है कि वे 12 वी की परीक्षा में निर्धारित अंक प्राप्त कर लेंगे। जो बच्चे राज्य /सेंट्रल बोर्ड की 12 वी की परीक्षा में टॉप स्थान प्राप्त करेगें वे इन कोर्सेज में सीधे दाखिला प्राप्त करेंगे। 2021का सिलेबस क्या है। इस परीक्षा मे फिजिक्स ,केमिस्ट्री मैथमेटिक्स तर्क शास्त्र बीफार्मा के लिये मैथमेटिक्स के स्थान पर बायोलॉजी के प्रश्न पूछे जाते है। प्रश्नो का स्तर 12 वी परीक्षा का स्तर होता है।**आवेदन कैसे करें--संस्थान की वेबसाइट पर 23 फरवरी 2021से30**-जून 2021 तक आवेदन ऑनलाइन किये जा सकते है।प्रवेश परीक्षा की तारीख बाद में घोषित की जाएगी ।अपडेट के लिए वेबसाइट देखते रहें ।

**डॉक्टर कमलेंद्र कुमार श्रीवास्तव रावगंज**
**कालपी जालौन उत्तर प्रदेश**

## वो सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के दिन

[वो विद्या का मंदिर आज भी स्मृतिकोष में जीवंत है]
अलग ही दुनिया थी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की
वहाँ की हर बात निराली थी
वहाँ ऋद्धष्ह्यह्य नहीं लघुशंका अवकाश होता था
वहाँ 5 मिनट का नहीं, वहाँ 45 मिनट की प्रार्थना होती थी
वहाँ स्कूल बस नहीं, वहाँ विद्यालय वाहन चलते थे
वहाँ नहीं होते वहाँ होते थे आचार्य जी एवं दीदी जी
वहाँ नहीं, वहाँ होते थे कक्षाचार्य और बड़े आचार्य जी
वहाँ नहीं, वहाँ होता था भोजन अवकाश
वहाँ नहीं वहाँ होता था ईकाई मूल्यांकन
वहाँ नहीं, बिल्ला और बेल्ट होता था
वहाँ आखिरी घंटों में घर नहीं, विसर्जन मंत्र करने जाते थे
न जाने पढ़ते - पढ़ते हम कब बड़े हो गए
और वो शिशु मंदिर के दिन कहाँ खो गए
वहाँ आज भी शिक्षा के साथ संस्कार मिलते हैं
और उन्हीं संस्कारो से भविष्य के फूल खिलते हैं।।

**प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम**
**युवा लेखक/स्तंभकार/साहित्यकार**
**लखनऊ, उत्तर प्रदेश**

# वे कांग्रेस समाजवादी दल के प्रमुख सिद्धान्तकार थे

आचार्य नरेंद्र देव भारत के प्रमुख स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, पत्रकार, साहित्यकार एवं शिक्षाविद थे। वे कांग्रेस समाजवादी दल के प्रमुख सिद्धान्तकार थे। देश को स्वतंत्र कराने का जुनून उन्हें स्वतंत्रता आन्दोलन में खींच लाया और भारत की आर्थिक दशा व गरीबों की दुर्दशा ने उन्हें समाजवादी बना दिया। समाजवाद के पितामह आचार्य नरेंद्र देव का जन्म 31अक्टूबर, 1889 ई. को सीतापुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनके पिता का नाम बलदेव प्रसाद था, जो एक प्रसिद्ध वकील थे। नरेन्द्र जी के बचपन का नाम अविनाशी लाल था। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा पैतृक जनपद फैज़ाबाद मे हुयी। इन्हें संस्कृत, हिन्दी के आलावा कई भाषाओँ का ज्ञान था। जिसमे अंग्रेज़ी, उर्दू, फ़ारसी, पाली, बंगला, फ़्रेंच और अन्य भाषाएँ भी शामिल हैं। इन्होने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी.ए. की डिग्री प्राप्त की और पुरातत्व के अध्ययन के लिए काशी के क्वींस कालेज चले गए और सन 1913 में एम.ए. संस्कृत से किया। अपने पिताजी की इच्छा पर इन्होने वकालत की पढ़ायी की। इसके बाद सन 1915 से लेकर 1920 तक फैजाबाद में रहकर वकालत की। इन्हे सन 1926 में काशी विद्यापीठ का कुलपति बना दिया गया और इसी के बाद ये आचार्य नरेन्द्र देव के नाम से प्रसिद्द हुए। आचार्य नरेंद्रदेव जी ने विद्यापीठ त्रैमासिक पत्रिका, समाज त्रैमासिक, जनवाणी मासिक, संघर्ष और समाज साप्ताहिक पत्रों का संपादन किया। सन 1934 में जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया तथा अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की। जब इस पार्टी का प्रथम अधिवेशन हुआ जिसमे ये अध्यक्ष के रूप में रहे। आचार्य जी 卐ऑल इंड़िया कांग्रेस कमेटी में सन 1916 से लेकर सन 1948 तक सदस्य रहे। इन्होने नेहरू जी के साथ कांग्रेस वर्किंग कमेटी卐 में भी सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाई। देश के दो प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री और चंद्रशेखर-एक समय उनके शिष्य हुआ करते थे। यह बात कम ही लोग जानते हैं कि 20 अगस्त, 1944 को श्रीमती इंदिरा गांधी जब पहली बार माँ बनीं, तो समाजवादी आचार्य ने पण्डित जवाहरलाल नेहरू के अनुरोध पर उनके शिशु का नाम राजीव गांधी रखा। वे दूसरी बार माँ बनीं तो उनके दूसरे बेटे संजय का नामकरण भी आचार्य जी ने ही किया। आचार्य जी देश की आज़ादी के लिए कई बार जेल की यातनाएँ भी सहीं। अपने ख़राब चल रहे स्वास्थ्य के बावजूद नमक सत्याग्रह के दौरान 1930 में जेल गये। उसके बाद सविनय अवज्ञा आन्दोलन के दौरान 1932 में जेल हुयी और व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन के दौरान 1941 में जेल भेजे गये। आचार्य नरेंद्र देव की फैज़ाबाद स्थित कोठी आज भी चर्चा का विषय बनी हुयी है। बत्तीस कमरों और एक सौ एक दरवाजों और खिड़कियों वाली यह कोठी वर्ष 1934 से 1937 तक समाजवादी राजनीति का बड़ा केंद्र रही। एक समय समाजवादी राजनीति में उसकी वही जगह थी, जो कांग्रेस की राजनीति में कभी इलाहाबाद के आनंद भवन की हुआ करती थी। भारत छोड़ो आन्दोलन मे सक्रिय होने पर सन 1942 से 1945 तक नेहरू जी और अन्य प्रसिद्द नेताओ के साथ अग्रेजो द्वारा अहमदनगर क़िले में नज़रबंद कर दिया गया। मार्च 1948 में लखनऊ रेडियो पर नरेंद्र देव का एक भाषण प्रसारित हुआ था जिसमें उन्होंने शिक्षण संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा दिए जाने पर सवाल उठाया था। उनका मानना था कि सांप्रदायिक मेल उत्पन्न करने की सदिच्छा से स्कूलों के पाठ्यक्रमों में धार्मिक शिक्षा के समावेश की बात ग़लत है। नरेंद्र देव के मुताबिक इससे फ़ायदे कम, नुकसान ज़्यादा हैं। उनका यह भी मानना था कि समाजवाद की विचारधारा में ईश्वर की जगह नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने यह भी कहा था कि मनुष्य केवल तर्क के आधार पर जीवन नहीं जी सकता, उसे विश्वास की भी ज़रूरत होती है पर यह विश्वास धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए और इसीलिए धर्म को शिक्षण संस्थाओं से दूर रखे जाने की जरूरत है। नरेंद्र देव की नजर में यही धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत था। आचार्य जी जीवन पर्यन्त राष्ट्र, शिक्षा,समाज और साहित्य के लिये समर्पित रहे। जीवन भर दमे के मरीज होने के कारण 19 फ़रवरी, 1956 ई. इसी रोग के कारण मद्रास (वर्तमान चेन्नई) के एडोर में उनका निधन हो गया। आचार्य नरेंद्र देव का जीवन भारत की समृद्ध और बहुविध सांस्कृतिक विरासत का अनुपम समन्वय था। इन्होंने जीवनपर्यन्त देश में सच्ची समतावादी सामाजिक ,आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था कायम करने का प्रयास किया।

**अभिषेक शुक्ला सीतापुर**
**उत्तर प्रदेश**

## बाल कविता

पथ मेरा गुरु जन सरल करें।
उपदेशों से मन होता भारी,

सूक्ति वाक्य जो समझ परे है।
पुस्तक बोझ समझ कर ढोता
विद्यालय से हर रोज डरे है।
कुछ ऐसा कर दो मेरे गुरुवर ,
मन मे रोचकता झट आ भरे ,
पथ मेरा गुरु जन सरल करें।।1।।
पाठ्य पुस्तक और पाठ्यक्रम
उत्साह मेरा बुझा रहे ।
विद्यालय में बढ़ते संसाधन
फिर भी मुझको चिढ़ा रहे ।
हर लो चिंता मेरी गुरुवर,
हम पढ़ने से है बहुत डरे,
पथ मेरा गुरु जन सरल करें।।2।।
उलट मान्यता स्कूलों की,
हमको कमतर आंक रहे ।
सभी पुस्तकों का निचोड़
गुरुजन हमको पढ़ा रहे ।
खूब पढ़े हम सब बच्चे,
ऐसा कुछ है काम करें,
पथ मेरा गुरु जन सरल करें।।3।।
बाल साहित्य की रुचिकर दुनिया,
छपी लिखी सामग्री पाये,
बहुत कार्टून छपे है इन पर,
बहुत ज्ञान हम इससे पाएं।
ऐसा जोर लगा दो गुरुवर,
शाला आने से न डरें,
पथ मेरा गुरु जन सरल करें।।4।।
पढ़ने को हम कुछ खोजें ,
खोज बीन कर हम लिख लें
खेलें, सीखें सब गतिविधियां,
अच्छे नोट्स हम रच लें।
ऐसी दिशा दिखा दो गुरुवर
डूबें उसमें फिर स्वयं करें
पथ मेरा गुरुजन सरल करें।

**मुल्क मंजरी**
**भगवत पटेल**
**जालौन उ.प्र.**

# विधवा पुनर्विवाह

विधवा पुनर्विवाह एक ऐसा संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय है जिस पर अधिकतर लोग 21 वीं सदी के होते हुए भी नाक मुंह सिकोड़ने लग जाते हैं। विधवा पुनर्विवाह क्यों विवादास्पद है?? पुनर्विवाह मुद्दे पर इतनी तकलीफ़ क्यों ?? आधुनिक काल में शिक्षित समाज में बेशक विधवा पुनर्विवाह को बुरा नहीं माना जाता, मगर अभी भी अशिक्षित एवं कट्टर धार्मिक लोग इसके खिलाफ हैं, जहां विधवा की स्थिति सोचनीय है। अथर्ववेद में विधवा पुनर्विवाह का उल्लेख मिलता है, %अल्टेकर के अनुसार, 卐 विधवा पुनर्विवाह वैदिक समाज में प्रचलित था卐 कोटिल्य के अर्थशास्त्र में भी विधवा पुनर्विवाह को स्वीकारा गया। उच्छंग जातक की कथाओं में भी विधवा पुनर्विवाह का आभास मिलता है, अर्थात प्राचीन भारत में विधवा पुनर्विवाह निषेध नहीं था। 300 ई. पू. से 200 वर्ष पश्चात तक के काल में विधवा पुनर्विवाह को अनुचित ठहराने के प्रमाण मिलते हैं। विधवाओं का जीवन नर्क बन जाने के कारण स्त्रियों ने पति के साथ जल जाना बेहतर समझा। वह कौन सी जड़ें हैं जो इसका कारण बनती हैं??विधवा उस महिला को कहा जाता है जिसके पति की किसी भी कारण से मृत्यु हो गई हो। पुराने ज़माने में बाल विवाह का बहुत प्रचलन था, छोटी उम्र की लड़कियों का बड़ी उम्र के आदमी से विवाह करा दिया जाता था, विधवा जल्दी होने का एक यह भी कारण था, विधवा को हेय की दृष्टि से देखा जाता था। हमारे पुरूष प्रधान समाज में इज्ज़त केवल पुरुष की ही मानी जाती है, एक महिला की इज्ज़त केवल पिता और पति से होती है, विवाह के समय भी स्त्री ( लड़की) को यही समझाया जाता है कि हंसी-खुशी, रूप-रंग, श्रृंगार सब पति के लिए ही है, अब तुम्हारा संसार पति से ही है। जब किसी कारणवश उसका पति मर जाता है तो स्रसांसारिक सुख त्यागना पत्नी का धर्म माना जाता है और उससे अपेक्षा की जाती है कि पति की चिता में ही अपना जीवन भस्म कर दे। वहीं दूसरी ओर जब किसी की पत्नी की मृत्यु होती है तो पुरुष बेझिझक दूसरा विवाह करता है, उसे किसी की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं, ना ही कोई पुरुष से सवाल करता है, क्यों भला पुरुष के लिए ये पाबंदियां नहीं?

**क्या ये समाज का दोहरा मापदंड नहीं?**-यहां पुरुष बलशाली है और स्त्री मात्र भावहीन वस्तु बन कर रह गई है। समाज के अनुसार विधवा महिला को एक सम्मानित जीवन जीने का कोई अधिकार नहीं, अच्छा खाना, कपड़ा पहनने का अधिकार नहीं उसे एक नीरस जीवन जीने पर बाध्य किया जाता है, कहीं -कहीं तो विधवा औरत के लंबे काले घने बाल कटवाकर उसका मुंडन करवा दिया जाता है। कुछ परिवारों में बेटे की मृत्यु के बाद बहु से रिश्ता ही नहीं रखा जाता कि अब बेटा ही नहीं रहा तो बहु से क्या रिश्ता। मजबूरन विधवा को कोई और सहारा ना मिलने की अवस्था में विधवा आश्रम में रहना पड़ता है, जीवन तो केवल नाममात्र शेष रह जाता है। हमारे समाज में महिलाएं खुल कर नहीं जी सकती, जीवन के हर पड़ाव पर उन्हें दूसरे का सहारा लेना पड़ता है, बचपन से ही इन्हें सिखाया जाता है कि वो सशक्त नहीं है, प्रबल नहीं है, दुर्बल हैं। अगर कोई महिला इस रूढ़िवादी प्रथा को स्वीकार नहीं करती तो उसे कठिन परिस्थितियों का, कदम-कदम पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, हमारे समाज में विधवा होने पर अजीब-अजीब रीति-रिवाजों के नाम



कर भी स्त्री को प्रताड़ित किया जाता है, पति मृत्यु के बाद सरेआम बिरादरी एवं बंधुओं, समाज के समक्ष उस पर सफेद चादर या कहीं सफेद दुपट्टा डाल कर उसे अहसास दिलाया जाता है कि वो विधवा है, तिल-तिलकर मरने के लिए उसे छोड़ देते हैं, इससे तो सती प्रथा ही ठीक था ताकि एक ही मौत मरती थी स्त्री। किसी भी शुभ कार्यों में विधवा स्त्री को जाने की अनुमति नहीं, जबकि विधुर को कोई कुछ नहीं कहता।जब स्त्री की मृत्यु पर पुरुष को दोष नहीं दिया **जाता तो पुरुष की मृत्यु पर स्त्री को दोष क्यों?**

165 वर्ष पहले 16 जुलाई 1856 को एक महत्वपूर्ण घटना घटी जो भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज की गई। ब्रिटिश सरकार ने इस दिन समाजसेवी ईश्वरचंद विद्यासागर के अकथ प्रयासो द्वारा विधवा पुनर्विवाह का कानून पास किया, कानून पास के महज चार महीने बाद ही प्रेसिडेंसी कालेज के एक प्रोफ़ेसर के घर ईश्वरचंद विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह कराया एवं इन्होंने अपने बेटे का विवाह भी एक विधवा से ही कराया। ईश्वरचंद विद्यासागर स्त्रियों के उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत रहते थे, समाज के कुछ लोग तो विद्या सागर को मसीहा मानते थे। विधवा जो समाज के व्यंग बाण, शंकाओं और गलतफहमियों का आघात झेलना पड़ता है, विधवा ही जानती है। विधवा पुनर्विवाह के निषेध का कारण अनेकों सामाजिक व्यभिचार और अनेतिक दुष्परिणामों की वृद्धि है, स्रकाशी में एक कहावत प्रचलित है, 卐रांड, **सांड, सीढ़ी,संन्यासी , इनसे बचे जो सेवे काशी**- जैसे कि कोई नवयौवना विधवाएं यौवन की प्यास बुझाने के लिए वैध उपाय ना होने के कारण अनैतिक संबंध बना लेती है, पर्दे कुछ आढ़ में व्यभिचार पलता है, बदनामी से बचने के लिए अनेकों भ्रुण हत्याएं एवं गर्भपात होते हैं, आजकल गर्भ निरोधक औषधियों के अविष्कार से भ्रष्टाचार और भी सुलभ हो गया है। दूसरा दुष्परिणाम वेश्या वृद्धि है, भाषा विज्ञान की दृष्टि से रण्डी शब्द की उत्पत्ति रांड या रण्डा से हुई जो विधवा को कहा जाता है, असहाय विधवा के पास जीवन यापन का वेश्यावृत्ति के अलावा कोई और साधन ना होना भी वेश्या वृद्धि का कारण है, बाल विधवाओं से कठोर ब्रह्मचर्य के पालन की उम्मीद रखना मानव मनोविज्ञान के प्रति अज्ञानता का सूचक है, विधवा पुनर्विवाह का विरोध अमनोवैज्ञानिक मांग है जो समाज के लिए हानिकारक है। विधवा पुनर्विवाह केवल शारीरिक आवश्यकता ही नहीं, अपितु हर इन्सान एक साथी चाहता है जिससे वो अपने मन की हर बात कर सकें, जो वृद्धावस्था में उसका साथ दे सके।

**क्या विधवा होना स्त्री के स्वयं के हाथ में हैं?**
**क्या विधवा होना अभिशाप है?**

क्या पति की मृत्यु के बाद औरत को अपना जीवन खत्म कर देना चाहिए?
क्या पति की मृत्यु के बाद स्त्री की इच्छाएं खत्म हो जाती है?
क्या उसके अहसास, जज़्बात,अरमान नहीं?
क्या वो इन्सान नहीं, कोई प्लास्टिक की गुड़िया है?
क्या वो नए सिरे से अपनी जीवन की शुरुआत नहीं कर सकती?
इन सब सवालों का जवाब है किसी के पास?
नहीं! समाज तो इन विषयों पर बात तक करने में दिलचस्पी नहीं लेता। विधवा पुनर्विवाह केवल बातें ही होती है, व्यवहारिक रूप में अमल करना होगा। विधवा पुनर्विवाह से संबंधित कड़े कानून बनाने होंगे। विधवा पुनर्विवाह का समर्थन करने से समाज उन वेश्याओं से बच सकता है, जो वैधव्य के कारण बनती है। जब हम विधुर का विवाह ठोक- बजाकर करते हैं तो विधवा का क्यों नहीं?

प्रेम बजाज

# जैकलिन फर्नांडीस ने फिर की मुंबई पुलिस की मदद, इंप्रेस हुई पूरी फोर्स

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस जैकलिन फर्नांडीस इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है। जहां हाल ही में उन्होंने मुंबई पुलिस को रेनकोट और अन्य सुरक्षा गार्ड भेजे है। ऐसे में अब मुंबई पुलिस ने एक्ट्रेस को अपनी तरफ से धन्यवाद दिया है। जिसके बाद एक्ट्रेस बेहद खुश है। मुंबई पुलिस ने अपने इस खास ट्वीट में लिखा ङअब जून दस्तक देने वाला है, जहां मुंबई में वर्षा शुरू होने वाली है। हम अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस को शुक्रिया कहना चाहते है। जिन्होंने हमें रेनकोट और अन्य सुरक्षा गार्ड भेजे है। एक्ट्रेस की योलो फाउंडेशन ने बहुत ही अच्छा काम किया है। ये हमें अपनी पर्सनल सेफ्टी में बहुत काम आने वाली है

जैकलिन फर्नांडीस शुरूआत से ही लोगों के लिए काम कर रही हैं। जहां पिछले कई दिनों से एक्ट्रेस कई गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर लोगों की मदद कर रही है। हाल ही में उन्होंने मुंबई की रोटी बैंक के साथ मिलकर 1 लाख से ज्यादा लोगों तक खाना पहुंचाने का काम किया है। इतना नहीं उन्होंने हाल ही में फेनलाइनफाउंजेशन के साथ मिलकर सड़क पर बेसहारा रहने वाले जानवरों को खाना देने का भी काम किया है।

वहीं उन्होंने पुणे पुलिस की तरफ भी मदद का हाथ आगे बढ़ाया था। एक्ट्रेस लगातार सलमान खान के बीइंग ह्युमन के साथ मिलकर भी ऐसे काम पहले भी कर चुकी हैं। जहां वो पिछले साल सलमान के साथ मिलकर भी लोगों के लिए काम कर रही थीं। एक्ट्रेस ने कई लोगों तक खाना पहुंचाने का काम किया था।

जैकलिन फर्नांडीस की फिल्मों के बारे में बात करें तो एक्ट्रेस बहुत जल्द हमें अक्षय कुमार के साथ राम सेतु में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस ने इस फिल्म की शूटिंग को शुरू कर दिया था लेकिन अक्षय कुमार समेत फिल्म के सेट पर कई लोगों को कोरोना हो गया जिसके बाद इस फिल्म की शूटिंग को रोक दिया गया। इस फिल्म में एक्ट्रेस के साथ नुसरत भरूचा भी नजर आएंगी इतना ही नहीं। फिल्म को अभिषेक शर्मा डॉयरेक्टर करेंगे और प्रड्यूसर अरुणा भाटिया और विक्रम मल्होत्रा करेंगे।

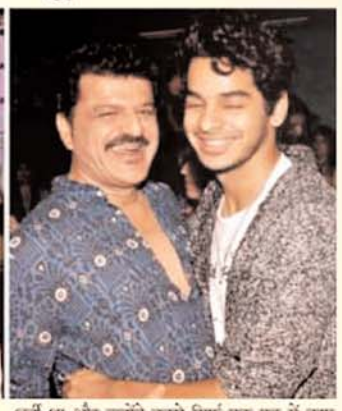

## ईशान की सौतेली मां वंदना का छलका दर्द, बोलीं– आर्थिक तंगी से जूझ रहा है परिवार





ईशान खट्टर के पिता राजेश खट्टरकी दूसरी पत्नी यानी एक्टर की एक्टर की सौतेली मां वंदना सजनानी ने बताया कि इतने सालों की उनकी अब तक की जितनी भी सेविंग्स थी, उसका उन्होंने परिवार के ट्रीटमेंट के लिए सारा इस्तेमाल कर लिया है।

बता दें कि ईशान, राजेश और नीलिमा अजीम के बेटे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान राजेश ने कहा कि अपनों के लिए अस्पताल में बेड ढूंढना काफी बुरा सपना है। वहीं उनकी पत्नी वंदना ने कहा कि अभी कोई काम नहीं है और उसकी वजह से उनकी सारी सेविंग्स खत्म हो गई है।

वंदना ने क्विंट से बात करते हुए कहा कि उनका सारा समय अपने बेटे के साथ बीत जाता है और साथ ही डिलीवरी के बाद वह पोस्टपार्टम डिप्रेशन से जूझ रही थीं। वंदना ने कहा, लास्ट टाइम जब मैं अस्पताल में थी, मुझे नहीं पता था बाहर क्या हो रहा है। पिछले साल मुझे पोस्टपार्टम डिप्रेशन हो गया था।

वंदना ने आगे कहा, पिछले साल से सारी सेविंग्स अस्पताल में चली गई है। काम बिल्कुल नहीं हुआ और जितनी भी सेविंग्स थी वो भी अस्पतालों में और इस 2 साल के लॉकडाउन में चली गई। वंदना ने ये भी कहा कि उनका बेटा कुछ महीनों के लिए अस्पताल में भर्ती था और उन्होंने तबसे सिर्फ एक एड में काम किया है। इस बार बहुत धक्का लगा है।

राजेश ने कहा कि इस बीच उनके पिता का निधन भी हो गया था। राजेश ने कहा कि उनके पिता का निधन हो गया था और उन्हें अस्पताल से ही पिता का अंतिम संस्कार करने जाना पड़ा। दरअसल, राजेश खट्टर और उनके पिता दोनों ही कोविड पॉजिटिव हो गए थे। राजेश ने तो इस वायरस को मात दे दी थी, लेकिन उनते पिता इस वायरस से हार गए थे।

कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू के दौरान वंदना ने कहा था कि राजेश लिव इन रिलेशनशिप में रहना चाहते थे, लेकिन शादी के लिए तैयार नहीं थे।

वंदना ने कहा था, मैं सिंगल थी, शादी नहीं हुई थी और ना ही कोई बच्चा था और इनकी लाइफ में सब था। मुझे इन्हें दोबारा शादी के लिए काफी मनाना पड़ा था।

नीलिमा के साथ बॉन्ड पर वंदने ने कहा था, हमारे बीच फ्रेंडली बॉन्ड है, लेकिन लॉकडाउन की वजह से हम पहले जैसे नहीं मिल पाते थे। ईशान को लेकर वंदना ने कहा था, वह हमेशा हमारे टच में रहते थे, स्पेशयली जब राजेश कोविड की वजह से अस्पताल में एडमिट थे।

## जैस्मिन भसीन–अली गोनी हुए थे कोविड के शिकार, जानिए दोनों को क्यों छिपानी पड़ी ये बात

बिग बॉस 14 में अली गोनी और जैस्मिन भसीन द्वारा अपने रिश्ते को कबूल करने के बाद ये दोनों ही टीवी के सितारे आए दिन अपनी फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। इस बीच एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है, जिसे सुनाकर शायद जैस्मिन और अली के फैंस हैरान हो जाएं। जैस्मिन और अली भी कोरोनावायरस की चपेट में आ चुके हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों पिछले महीने जब जम्मू में थे, तब उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। फिलहाल दोनों ठीक हैं। जैस्मिन भसीन जम्मू से वापस मुंबई आ चुकी हैं, जबकि अली वहीं अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कपल के एक करीबी व्यक्ति ने बताया कि जैस्मिन और अली दोनों ही कुछ दिनों के गैप के अंदर कोविड पॉजिटिव पाए गए थे।

उन्होंने खुद को क्वारंटीन किया और एक हफ्ते बाद उनकी कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आई। उन दोनों ने रिकवरी फेज के दौरान खुद को सकारात्मक रखने की कोशिश की। शायद यही वजह है कि दोनों ने अपने कोविड पॉजिटिव होने की बाद फैंस से छिपाई। रिपोर्ट में यह भी लिखा है जैस्मिन ने इस खबर की पुष्टि की है।

फिलहाल, अली और जैस्मिन दोनों ही अपना काम शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं। आपको बता दें कि जैस्मिन और अली ने खतरों के खिलाड़ी सीजन 10 में भाग लिया था, जहां से दोनों की दोस्ती की शुरूआत हुई। इसके बाद यह दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों जब बिग बॉस सीजन 14 के घर में थे, तब दोनों ने अपने रिश्ते को कबूल किया।

## टैलेंट की खान हैं भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह, सिंगिंग वीडियो देख दीवाने हुए फैंस



भोजपुरी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह इन दिनों अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत हैं, जिस वजह से उनके तमाम फैंस हैं। एक्ट्रेस को उनक फिल्म तबादला, सरकार राज और सत्या के लिए जाना जाता है। वहीं एक्ट्रेस भोजपुरी सिनेमा की सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाली एक्ट्रेस भी हैं। एक्ट्रेस ने अपना एक्टिंग डेब्यू रवि किशन के साथ 2010 ने आई उनकी फिल्म सत्यमेव जयते से किया था। जिसके बाद उनकी किसमत खुल गई। लेकिन ये बहुत ही कम लोग जानते हैं कि एक्ट्रेस जितनी अच्छी एक्टिंग करती हैं, उतनी ही अच्छी उनकी आवाज है।

एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर अब से कुछ देर पहले कई स्टोरी को पोस्ट किया है। जिसमें वो गिटार पर गाना गाते हुए नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस इस वीडियो में अपने एक दोस्त के साथ बेड पर बैठी हुई हैं। जहां वो उनके साथ तूने मुझे पेहचाना नहीं गाने को गाते हुए नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का ये वीडियो उनके फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। आपको बता दें, एक्ट्रेस ने कई बार अपने इंटरव्यू के दौरान इस बात का जिक्र किया है कि उन्हें गाने गाना बहुत पसंद है, बस उन्हें कोई मौका दे दें।

अक्षरा सिंह इन दिनों लॉकडाउन में अपने घर पटना में हैं। जहां वो अपने पूरे परिवार के साथ बेहतरीन समय बिता रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब एक्ट्रेस ने उनकी शादी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि, अभी उनका शादी का कोई प्लान नहीं है, एक्ट्रेस ने कहा है कि अभी उनकी शादी की उम्र नहीं है और वो अभी शादी नहीं करना चाहती हैं। अक्षरा सिंह इन दिनों अपने इंस्टाग्राम रील्स से भी दर्शकों का मनोरंजन करती रहती हैं। जहां उनके रील्स सोशल मीडिया पर आए दिन वायरल होते रहते हैं।

## भाई सोहेल की वजह से सलमान खान को छोड़ गई थी उनकी गर्लफ्रेंड! सालों बाद हुआ खुलासा





बॉलीवुड दबंग यानी सलमान खान अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। फिर उसके पीछे की वजह उनकी फिल्में हों, उनकी गर्लफ्रेंड्स हों या फिर उनका गरम-मिजाजी व्यवहार। सलमान खान की गर्लफ्रेंड्स की लिस्ट काफी लंबी है। हालांकि, जब भी उनकी गर्लफ्रेंडस्की बात की जाती है, तो एक नाम जरूर सामने आता है और वह है-सोमी अली सोमी अली विदेश से केवल भारत इसलिए आई थीं, ताकि वह सलमान खान से शादी कर सकें। पर उनका यह सपना अधूरा ही रह गया।

कुछ समय पहले सोमी ने एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा था कि सलमान खान ने उन्हें धोखा दिया था, इसलिए उन्होंने सलमान से रिश्ता तोड़ा। इसी बीच सोहेल खान का एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें वह बता रहे हैं कि सोमी अली उनके कारण सलमान खान को छोड़कर गई थी। यह थोड़ा मजाकिया किस्सा है। इसमें कितनी सच्चाई है कितनी नहीं, इसकी पुष्टि हम नहीं करते।

### सोहेल ने सुनाया मजेदार किस्सा

एक बार सोहेल खान कलर्स टीवी के एक कॉमेडी शो पर पहुंचे थे, जिसका नाम था- एंटरटेनमेंट की रात। इस शो में सोहेल से उनकी शादी को लेकर पूछा गया तो उन्होंने अपनी शादी का किस्सा सुनाने से पहले बताया कि जब उनकी शादी की बात शुरू हुई तो सलमान खान की गर्लफ्रेंड उन्हें छोड़कर चली गई।

सोहेल ने कहा कि नाम नहीं लूंगा, लेकिन उस समय सलमान भाई किसी को डेट कर रहे थे। वह सलमान भाई को छोड़कर नाराज होकर चली गई। कहा कि छोटा भाई शादी कर रहा है, ये बड़ा भाई नहीं कर रहा। सोहेल की यह बातें सुनकर लग रहा है कि वह सोमी अली की ही बात कर रहे हैं। सोहेल की शादी 1998 में हुई थी और सोमी अली का सलमान खान के साथ उसी दौरान ब्रेकअप हुआ था। हालांकि, हम यह सिर्फ कयास लगा रहे हैं कि सोहेल, सोमी की बात कर रहे हैं। हम इसकी पुष्टि नहीं करते।

### सोहेल के दोस्तों ने मौलवी को किया था किडनैप

इसके बाद सोहेल ने अपनी शादी का मजेदार किस्सा सुनाया कि कैसे आधी रात को मौलवी के पकड़कर लाए और उसने कैसे सलीम खान को जवाब दिया। सोहेल ने बताया कि मैं अपनी को पहले डेट कर रहा था। उनसे मैं दिल्ली में मिला था, चंकी पांडे की सगाई पर। फिर हमने फैसला किया कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। एक दिन मैंने डैडी को उठाया, आधी रात को यानी तकरीबन 3-4 बजे। उन्होंने मुझे देखते ही कहा कि तूने फिरसे गाड़ी ठोंक दी। मैंने कहा कि नहीं ऐसा नहीं है। दरअसल, सीमा है यहां और हमें शादी करनी है। उन्होंने कहा ठीक है।

सोहेल आगे बताते हैं कि मेरे दो दोस्त सुबह-सुबह मौलवी को लाने गए। मौलवी बांद्रा की मस्जिद की तरफ जा रहे थे। उन्हें गाड़ी में उठाकर ले आए। मौलवी साहब आए और वह बहुत नाराज थे। मैंने और सीमा सामने बैठे थे। उस वक्त मेरे पापा रूम से निकले। मौलवी ने पापा की तरफ देखा और कहा कि यह हरकत केवल आपके बेटे कर सकते हैं। पापा ने कहा कि ठीक है न मौलवी साहब अब प्यार हो गया है तो क्या कर सकते हैं।

इसके बाद मौलवी बोले कि नहीं, नहीं मैं उसकी बात नहीं कर रहा हूं। 35 साल पहले आपके दोस्तों ने मुझे किडनैप किया था। सोहेल ने बताया कि मेरे दादा और नाना को पापा और मम्मी की शादी से दिक्कत थी। तब पापा के दोस्तों ने इन्हीं मौलवी को उठाया था, तब यह जवान हुआ करते थे और उन्हें सब याद था।

## मंसूर अली खान से शादी करने के लिए शर्मिला टैगोर ने बदल दिया था धर्म

शर्मिला टैगोर ने अपने समय में अपनी खूबसूरती से लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई थी। शर्मिला के चाहने वाले लाखों थे जिसमें क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी थे। शर्मिला ने क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी से शादी की थी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि न सिर्फ दोनों की लव स्टोरी चर्चा में थी बल्कि दोनों की शादी ने भी खूब सुर्खियों बटोरी। इतना ही नही, शर्मिला ने मंसूर से शादी करने के लिए अपना धर्म तक बदल दिया था।

शादी के लिए शर्मिला ने जब अपना धर्म बदला तब उन्होंने अपना नाम आयषा बेगम कर दिया था। निकाह के बाद शर्मिला भी पटौदी परिवार का हिस्सा बन गई थीं। शर्मिला और मंसूर एक-दूसरे के लिए बने हुए हैं और साल 1965 में दोनों को इस बात का अहसास हो गया था जब पहली बार एक कॉमन दोस्त के जरिए मिले। उस समय शर्मिला, पटौदी के नवाब के बारे में जानती थीं, लेकिन मंसूर, शर्मिला के बारे में कम जानते थे और ना ही उन्होंने शर्मिला की कोई फिल्म देखी थी। लेकिन फिर भी जब वह शर्मिला से मिले तो उनके दीवाने हो गए।

### आसान नहीं था शर्मिला को मनाना

मंसूर अपने चार्म से सभी को फैन बना लेते थे और शर्मिला को भी वह पसंद थे, लेकिन एक्ट्रेस उनके बारे में उस समय श्योर नहीं हुई थीं। इंटरव्यू के दौरान सोहा अली खान ने बताया था कि शर्मिला को अपनी तरफ अट्रैक्ट करने के लिए टाइगर ने एक बार उनके घर 7 रेफ्रिजेटल भेज दिए थे।

### भेज दिए थे 7 रेफ्रिजेटर

सोहा ने कहा था, अब्बा, अम्मा एक फिल्म पार्टी में मिले। अब्बा को अम्मा पसंद थीं। वह बहुत खूबसूरत थीं, आज भी हैं। वह अम्मा से बात करना चाहते थे, लेकिन वह उन्हें भाव नहीं दे रही थीं। अब्बा ने फिर अम्मा के घर 7 रेफ्रिजेटर भेज दिए थे ताकि अम्मा से कोई रिएक्शन मिले। अम्मा ने फिर अब्बा को फोन किया और पूछा, ये सब क्या हो रहा है? तो ऐसे शुरू हुई फिर दोनों की बात।

### बिना बैग लिए मंसूर के साथ निकल गई थीं सोहा

शर्मिला और मंसूर काफी सालों तक रिलेशनशिप में रहे। एक पुराने इंटरव्यू में शर्मिला ने बताया था कि वह और मंसूर हमेशा अचानक से फैसले लेते थे। जब रिलेशन में थे तब भी दोनों कभी भी कुछ भी फैसले लेते थे और शादी के बाद भी यही चलता रहा। दोनों एक-दूसरे के साथ टाइम स्पेंड करने के लिए वर्ल्ड में घूमते रहते थे। हालांकि ये सब कम हो गया जब उनका पहला बच्चा सैफ अली खान हुआ।

अपनी रोमांटिक स्टोरी बताते हुए शर्मिला ने एक इंटरव्यू में कहा था, ङमैं पनवेल में शूटिंग कर रही थी और मंसूर अहमदाबाद जा रहे थे। तो मैंने सोचा कि मैं उन्हें एयरपोर्ट तक छोड़ दूं और मैंने अपने ड्राइवर को बोला जल्दी चलो। मैं एयरपोर्ट पर पहुंची और वह अपनी कार में बैठे हुए थे। तो मैंने उन्हें बाय कहा। उन्होंने मुझे पूछा कि तुम क्या कर रही हो? अगर कुछ नहीं तो मेरे साथ चलो और मैं चली भी गई। मेरे पास कपड़े नहीं थे और न ही कुछ और। मैं बस चली गई। उस समय मैं इतना प्यार में थी।

### मंसूर ने कैसे किया प्रपोज

शर्मिला ने बताया था कि मंसूर ने पैरिस में उन्हें फॉर्मली प्रपोज करने से पहले अपनी मां को एक्ट्रेस के बारे में बताया था। शर्मिला ने कहा था, हम अम्मा से मिलने गए और वहां उन्होंने अम्मा को बताया कि हम शादी करना चाहते हैं। उन्होंने मुझे नहीं बताया था कि वह वहां शादी की बात करेंगे। इसके बाद उन्होंने पैरिस में मुझे प्रपोज किया था।

### बंगाली थीं शर्मिला

शर्मिला बंगाली थीं, लेकिन मंसूर से शादी करने के लिए उन्होंने धर्म बदलने का फैसला लिया। उन्होंने अपना नाम आयषा सुल्ताना कर लिया था। शादी के बाद 42 साल तक साथ रहने के बाद टाइगर की मौत के बाद ही दोनों अलग हुए। टाइगर का निधन 22 सितंबर 2011 में हुआ था। शर्मिला और टाइगर की लव स्टोरी आज भी सभी के लिए प्रेरणा है।

## शिल्पा शेट्टी का परिवार हुआ कोरोना फ्री एक्ट्रेस ने सबसे पहले करवाया घर सैनिटाइज

शिल्पा शेट्टीने कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर बताया था कि उनका पूरा परिवार कोविड पॉजिटिव हो गया था जिसमें उनके दोनों बच्चे भी थे। हालाकि एक्ट्रेस कोविड का शिकार होने से बच गई थी। शिल्पा और उनके पूरे परिवार के लिए ये काफी मुश्किल समय था। अब फाइनली उनका पूरा परिवार ठीक हो गया है जिससे एक्ट्रेस काफी खुश हैं। शिल्पा ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। इसके अलावा उन्होंने अब अपने पूरे घर को सैनिटाइज करवाया है।

शिल्पा ने वीडियो शेयर किया है जिसमें उनका घर सैनिटाइज हो रहा है। वीडियो शेयर कर शिल्पा ने लिखा, सबके ठीक होने के बाद सैनिटाइजेशन हो रहा है। अब फाइनली शिल्पा ने राहत की सांस ली है। वैसे हाल ही में शिल्पा ने अपने बेटे वियान का बर्थडे सेलिब्रेट किया है। इस मौके पर वह वियान के लिए डॉग भी लेकर आईं और इस गिफ्ट का वीडियो शिल्पा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। वीडियो शेयर करते हुए शिल्पा ने लिखा था, वियान कई दिनों से हमसे एक नए पेट(डॉग) की मांग कर रहा था, लेकिन हमने उससे कहा था कि जब वो 10 साल का हो जाएगा तब हम उसे नया पेट देंगे। लेकिन उसने इसे एक साल पहले ही पा लिया।

शिल्पा ने कुछ दिनों पहले शो सुपर डांसर चैप्टर 4 से ब्रेक लिया था। दरअसल, सुपर डांसर का शूटिंग दमन में शिफ्ट होने की वजह से वहां जाने वाले जजेस या फिर गेस्ट को कम से कम एक पूरा दिन वहां बिताना पड़ता है और शिल्पा शेट्टी की बेटी महज 1 साल की है इसलिए ऐसे वक्त पर उन्हें अपने बच्चों और परिवार के साथ रहना ज्यादा सही लगता है।

यही वजह है उन्होंने दमन में चल रहे शूटिंग से ब्रेक लिया है। जब शूटिंग फिर से मुंबई में शुरू हो जाएगा तब वह अपने टीम को जॉइन कर लेंगी, तब तक मलाइका अरोड़ा उनकी जगह जज की कुर्सी संभालेगी।

## न्यूज. ब्रीफ

### अफगानिस्तान में हिंसा से आठ हजार परिवार हुए विस्थापित, पांच राज्यों में हालात बेहद खराब



काबुल। अफगानिस्तान में हिंसा ने पूरे देश की तस्वीर बदल कर रख दी है। यहा के पांच प्रांतो मे पिछले कुछ समय मे आठ हजार से ज्यादा परिवार विस्थापित हो गए हैं। अमेरिकी सेना की वापसी के बीच बढ़ती हिंसा से अब यहा के लोगों की चिंता और बढ़ गई है। हिंसाग्रस्त देश में हजारों परिवारों के लिए आश्रय, स्वास्थ्य सेवाओ, शिक्षा व अन्य मूलभूत जरूरतों की जबर्दस्त कमी हो गई है। अमेरिकी सेना की वापसी की प्रक्रिया के बीच ही हिंसा का दौर तेज हो गया है। अफगानिस्तान के पांच प्रांतों बघलान, हेलमंद, कुंदूज, कंधार और लाघमन मे कुछ सप्ताह से घमासान मचा हुआ है। बाघलान प्रांत के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन निदेशालय के अनुसार आठ हजार से ज्यादा परिवार विस्थापित हुए है, इनमें से साढ़े तीन हजार परिवार हाल की ही हिंसा मे विस्थापित हुए हैं। इधर अफगान सेना और तालिबानी आतंकियो के बीच संघर्ष चल रहा है।

### सुदूरवर्ती द्वीपों की चीन से रक्षा के लिए जापान ने किया सैन्य अभ्यास, तिलमिलाई चिनफिंग सरकार



टोक्यो। दूर-दराज के द्वीपों पर चीन को कब्जा जमाने से रोकने के लिए जापानी बलो ने सैन्य अभ्यास किया है। जापान ने यह अभ्यास शिजुओका में पूर्वी फुजी प्रशिक्षण इलाके मे किया है। पूर्वी चीन सागर मे चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर जापान लगातार सतर्क है। जापान प्रशासित सेनकाकू द्वीप पर भी चीन अपना दावा कर रहा है। नानसेई आइलैंड की रक्षा के लिए भी जापान अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। जापान टाइम्स की खबरों के अनुसार, दो घंटे चले अभ्यास मे जापान के 3,100 सैनिकों, 45 टैंक और बख्तरबंद वाहनों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा लड़ाकू हेलीकाप्टरों ने भी इसमे भाग लिया। कोरोना वायरस के मद्देनजर लोगो को इसे देखने से रोक दिया गया। इसके चलते इस युद्धाभ्यास का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया। यह युद्धाभ्यास आमतौर पर अगस्त के आखिर मे होता है, लेकिन टोक्यो ओलंपिक को देखते हुए इस साल इसका आयोजन पहले किया गया।

### बांग्लादेशी महिला पत्रकार को मिली जमानत, गिरफ्तारी की संयुक्त राष्ट्र ने भी की थी निंदा

ढाका। बांग्लादेश की स्थानीय अदालत ने रविवार को महिला खोजी पत्रकार रोजिना इस्लाम की जमानत मंजूर कर ली। महिला पत्रकार को उपनिवेश काल के सरकारी गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। महिला पत्रकार की गिरफ्तारी की संयुक्त राष्ट्र ने भी निंदा की थी। बांग्ला दैनिक 'प्रथम आलो' की वरिष्ठ संवाददाता रोजिना इस्लाम को गत सोमवार को बिना अनुमति के एक दस्तावेज का फोटो खींचने के आरोप मे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मुहम्मद बकी बिल्लाह की अदालत ने रोजिना को सशर्त जमानत दे दी। अदालत ने रोजिना को अपना पासपोर्ट जमा कराने का निर्देश दिया है। गिरफ्तारी के बाद रोजिना इस्लाम को काशिमपुर की केंद्रीय महिला जेल में रखा गया था।

### उत्तरी इटली में केबल कार दुर्घटनाग्रस्त, नौ लोगों की मौत

रोम। उत्तरी इटली मे एक खूबसूरत पर्वतीय इलाके मे रविवार को केबल कार दुर्घटनाग्रस्त होकर जमीन पर गिर गई और इस घटना मे कम से कम नौ लोगो की मौत हो गई और दो बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।



इटली के अग्निशमन दस्ते की ओर से ली गई तस्वीर में दुर्घटना की भयावहता दिखी है। यह मोटारोन शिखर के निकट चीड़ के पेड़ो के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह वह स्थान है जहां से लेक मैजिओरी (झील) दिखती है। अल्पाइन बचाव सेवा के प्रवक्ता वाल्टर मिलान ने बताया कि इस स्थान पर स्की लिफ्ट की तार जमीन से काफी ऊंचाई पर है। हालांकि अभी दुर्घटना के पीछे की वजह का पता नही चल पाया है। उन्होंने बताया कि केबल लाइन की मरम्मत 2016 मे हुई थी और कोविड- 19 महामारी की वजह से बंद के बाद इसे हाल मे ही खोला गया था।

# जान गंवाने वाले डॉक्टरों को मिले शहीद का दर्जाः डा. राजन शर्मा

- कोरोना की दूसरी लहर में गंभीर रूप धारण कर चुकी है डॉक्टरों में मृत्युदर

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इंडियन मेडिकल एसोशिएशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजन शर्मा ने कोविड महामारी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले डॉक्टरों को शहीद का दर्जा देने की मांग की है। उनका कहना है कि यह बलिदान वैसा ही है, जिस प्रकार सीमा पर लड़ते हुए एक जवान अपनी शहादत देता है। उन्होंने कहा कि 19 मई, 2021 तक देश भर में कुल 1,076 डॉक्टर कोविड से मरीजों की जान बचाते हुए संक्रमित होकर अपने प्राण न्योछावर कर चुके हैं। यह मात्र एक आंकड़ा नहीं है, यह नुकसान है वास्तविक मानवीय जीवन का और उनके बिखरे परिवारों का। डॉ. शर्मा ने का कहना है कि जिस प्रकार एक जवान स्वेछा से अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए सीमा पर जाता है, उसी प्रकार एक डॉक्टर अपने मरीज की जान बचाने के लिए काम करता है। इसके विपरीत जवान जब शहीद होता है तो उसका मृत शरीर तिरंगे से लिपटा हुआ घर आता है। परंतु अपने मरीज की जान बचाते हुए जब एक डॉक्टर शहीद होता है, तो उसकी कहीं गिनती नहीं होती।

दोनों अपने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाते हैं, फिर भी दोनों के साथ अलग-अलग व्यवहार होता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि आज अपने प्राणों की बाजी लगाने वाले हमारे डॉक्टरों की शहादत को स्वीकार करना तो दूर कोई उनकी गिनती भी रखना जरूरी नहीं समझता। उन्होंने कहा कि इस महामारी के दौरान जो डॉक्टर अग्रिम मोर्चे पर काम करते हुए अपनी जान गंवा रहे हैं, उनके सही आंकड़े भी नहीं रखे जा रहे हैं। इसलिए इंडियन मेडिकल एसोशिएशन ने अपने स्तर पर इन शहीदों की संख्या एकत्र करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि इस महामारी में सबसे गहरी मार 'जनरल प्रेक्टिनशनर्स' ने झेली है, क्योंकि महामारी की चपेट में आए मरीज सबसे पहले अपने फैमिली डॉक्टर से ही संपर्क करते हैं। चूंकि वे मरीज के सबसे निकट और सुलभ होते हैं, इसलिए वे ही सबसे बड़ी कीमत चुकाते हैं। जांच आदि की दृष्टि से संक्रमण के प्रथम सप्ताह को 'द गोल्डेन वीक' माना जाता है और यह सप्ताह संक्रमण के इलाज में बहुमूल्य माना जाता है। इसी प्रथम सप्ताह में संक्रमण अपने चरम पर होता है और दूसरों को प्रभावित करने की सर्वाधिक क्षमता रखता है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि बहुत से युवा और बुजुर्ग डॉक्टरों ने कोविड के विरुद्ध इस जंग में अपनी जान गवांयी है। बिना रुके लंबे समय तक काम करते रहना, लगातार संक्रमण के संपर्क में रहना, घर जाकर संक्रमण से अपने पारिवारिक सदस्यों को भी संक्रमित करने का डर, पर्याप्त पीपीई किट्स और अन्य सुविधाओं का अभाव, अनियमित वेतन, अपने स्वयं के इलाज का खर्च वहन करने की क्षमता का अभाव, और इससे भी अधिक प्रतिदिन मौत का तांडव देखने के कारण भावात्मक कष्ट आदि ऐसी हृदय विदारक समस्याएँ हैं, जिनका सामना डॉक्टर प्रतिदिन करते हैं। इसके बावजूद वे अपने मरीज की जान बचाने के लिए अंतिम क्षण तक जी-तोड़ प्रयास करते हैं। इस दौरान उन्हें अपने परिवारों का भी ध्यान नहीं रहता।

ऐसी स्थिति में डॉक्टरों की मौत के सही आंकड़े नहीं देना एक प्रकार से चिंता का विषय है। डॉ. शर्मा का कहना है कि सरकारी सेवा में लगे डॉक्टरों को जो थोड़ी बहुत क्षतिपूर्ति मिलती है वह जीवनबीमा कार्यवाही में फँसकर रह जाती है, जबकि निजी क्षेत्र में काम करने वाले डॉक्टरों को तो कुछ नहीं मिलता। अब तो स्थिति यह हो चली है कि डॉक्टरों और अस्पतालों को कार्यस्थल पर हिंसा, कलंक और तिरस्कार का सामना करना पड़ रहा है। कई बार तो मृत्यु के समय भी सम्मानजनक व्यवहार नहीं होता। एक राष्ट्र में रूप में हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कहीं भी डॉक्टरों के साथ अभद्र व्यवहार नहीं होना चाहिए।

## दौड़ में शामिल 151 लोगों को सुरक्षित बचाया गया

# चीन में हुई मैराथन में हिस्सा ले रहे 21 धावकों की हुई मौत

बीजिंग ■ एजेंसी

चीन में खराब मौसम की वजह से एक मैराथन में हिस्सा लेने वाले 21 धावकों की मौत हो गई। इस घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। ये घटना अपने आप में बेहद अनूठी है जब खराब मौसम ने इतने धावकों की जान ले ली। अधिकारियों के मुताबिक ये घटना बैयिन शहर की है जो उत्तर पश्चिम गांसु प्रांत स्थित है। वहां पर आयोजकों ने 100 किमी लंबी क्रॉस कंट्री माउंटेन रेस का आयोजित की थी। शुरूआत में सब कुछ ठीक था लेकिन रेस शुरू होने के कुछ समय के बाद अचानक मौसम खराब होने लगा। यैलो नदी के आसपास की ऊंचाई वाले इलाके में आया ये मौसमी बदलाव धावकों के लिए विनाशकारी साबित हुआ। मौसम खराब होने के साथ तेज बारिश और हवाएं चलने लगी। इसके अलावा वहां पर हुई ओलावृष्टि और बर्फबारी ने वहां पर रही सही कसर भी पूरी कर दी। इसकी वजह से धावकों को दिक्कत होने लगी। उन्हें सांस लेने संबंध शिकायतें और हाइपोथर्मिया की शिकायत बढ़ने लगी। इसकी वजह से 21 धावकों के लिए ये रेस अंतिम रेस साबित हुई। बचाव कर्मियों ने तुरंत हरकत में आते हुए खराब मौसम का शिकार बने धावकों को मदद पहुंचाने का काम किया। अधिकारियों के मुताबिक खराब मौसम की वजह से एक धावक लापता हो गया था जिसका शव बाद मे सुबह मिल सका। बेहद ठंड होने की वजह से उसके शरीर के अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। बैयिन शहर के अधिकारियों ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इसकी पुष्टि की है। इन अधिकारियों का कहना है कि येलो नदी के अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाके में अचानक हुए मौसमी बदलाव की वजह से ये सब कुछ हुआ है। बैयिन शहर के मेयर झांग जुचेन के मुताबिक दोपहर में 20 से 31 किमी का हिस्सा अचानक विनाशकारी मौसम से प्रभावित हो गया। देखते ही देखते वहां प ओलावृष्टि और बर्फ की बारिश के साथ तेज हवाएं चलने लगी। इसकी वजह से वहां का तापमान अचानक काफी नीचे चला गया था। इस दौड़ में हिस्सा लेने वाले धावकों की तरफ से मिले मदद के संदेश के बाद आयोजकों ने प्रभावित इलाके में बचावदल को भेजा, जिसने 18 प्रतिभागियों को बचा लिया। इसके बाद इस दौड़ को तुरंत रद कर दिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय अधिकारियों ने मदद के लिए तुरंत बचाव दल भेजे हैं।



झांग के मुताबिक इस रेस में शामिल आठ धावकों का मामूली चोट आई है जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक इस रेस में हिस्सा लेने वाले कई धावक हाइपोथर्मिया के शिकार थे। एजेंसी के मुताबिक ऊंचाई वाले इस इलाके में खराब मौसम की वजह से बचाव कार्यमें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। एजेंसी की तरफ से कहा गया है कि रविवार की सुबह तक 146 धावक सुरक्षित मिल गए थे, जबकि पांच को मामूली चोट आई थी। इस रेस में 172 धावक हिस्सा ले रहे थे।

### चीन में गुस्से से भरे एक व्यक्ति ने भीड़ पर कार चढ़ाई, कम से कम पांच लोगों की मौत

बीजिंग ■ एजेंसी

चीन के उत्तरपूर्वी लियोनिंग प्रांत में निवेश में हुए नुकसान से गुस्साए एक व्यक्ति ने अपनी कार लोगों की भीड़ पर चढ़ा दी। घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। दलियान शहर के जन सुरक्षा ब्यूरो ने बताया कि शनिवार करीब आधी रात को व्यक्ति ने काले रंग की कार को शहर में सड़क पार कर रही भीड़ पर चढ़ा दिया और मौके से फरार हो गया। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ ने खबर दी है कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया। इसके अलावा हादसे में घायल हुए पांच अन्य लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। लियू उपनाम वाले वाहन चालक को हिरासत में ले लिया गया है। बाद में पुलिस ने बताया कि निवेश में हुए नुकसान से नाराज लियू ने समाज पर गुस्सा उतारने के लिहाज से यह अपराध किया। सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के अनुसार,



दलियान जन सुरक्षा ब्यूरो के उप महानिदेशक शु बो ने बताया कि निवेश में हुए नुकसान से नाराज लियू ने घटना के जरिए समाज पर अपना गुस्सा उतारा है। गुस्सैल एवं असंतुष्ट लोगों द्वारा आम नागरिकों पर अचानक हमलों की घटनाएं चीन में हाल के वर्षों में आम हो गई हैं।

### अमेरिका में बार के बाहर गोलीबारी में तीन लोगों की मौत, तीन घायल

**यंग्सटाउन।** अमेरिका के ओहायो राज्य के यंग्सटाउन में एक बार के बाहर रविवार को गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गयी और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इस बारे में बताया। यंग्सटाउन में क्लब बार एंड एंप में घटना के बाद रविवार दोपहर करीब दो बजे पुलिस अधिकारी पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है लेकिन कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस गोलीबारी के मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में अभी ज्यादा विवरण उपलब्ध नहीं है।

# दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में छाई धूल की परत

- लो विजिबिलिटी के कारण सड़कों पर रेंगी गाड़ियां

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में मई के महीने में रिकॉर्ड तोड़ बारिश के बाद अब पारा फिर चढ़ने लगा है। इसी बीच रविवार को सुबह लोग उठे तो उन्हें चारों तरफ धूल ही धूल नजर आई। दिल्ली एनसीआर में कई इलाकों में धूल की परत छाई रही जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई। इतान ही नहीं, धूल के चलते विजिबिलिटी का कम थी जिससे कारण सड़कों पर गाड़ियां धीरे-धीरे चल रही हैं। वहीं, मौसम विभाग ने अनुमान लगाया था कि आज (रविवार को) दिल्ली में गरज के साथ बौछारें पड़ सकती है। शनिवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण मौसम काफी सुहावना रहा और अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से शहर में पिछले तीन दिनों से हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। रविवार को गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान व्यक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के आसपास रहेगा।

### महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हिली धरती, आया 3.3 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में आज भूकप के झटके महससू किए गए। बता दें कि सुबह 9 बजकर 16 मिनट पर आए भूकप की रिक्टर स्केल तीव्रता 3.3 थी। भूकप विज्ञान के लिए राष्ट्रीय केंद्र ने यह जानकारी दी है। भूकप के दौरान मकान, दफ्तर या किसी भी इमारत मे अगर आप मौजूद है तो वहा से बाहर निकलकर खुले मे आ जाए। इसके बाद खुले मैदान की ओर भागें। भूकंप के दौरान खुले मैदान से ज्यादा सुरक्षित जगह कोई नही होती। भूकंप आने की स्थिति में किसी बिल्डिंग के आसपास न खडे हों। अगर आप ऐसी बिल्डिंग में है, जहां लिफ्ट हो तो लिफ्ट का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। ऐसी स्थिति में सीढ़ियों का इस्तेमाल करना ही उचित होता है।

## ब्लैक फंगसः उत्तराखंड को मिले पांच सौ इंजेक्शन

देहरादून। केंद्र से राज्य को ब्लैक फंगस की दवा एम्फोटेरेसिन बी के पांच सौ इंजेक्शन मिल गए हैं। इससे राज्य के अस्पतालों में इलाज करा रहे मरीजों को कुछ राहत मिलेगी। इसके साथ ही राज्य में ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या 101 हो गई है। नौ मरीजों की अभी तक मौत हो चुकी है जबकि पांच इलाज के बाद ठीक हो गए हैं। अकेले एम्स ऋषिकेश में ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या 64 हो गई है। जबकि हिमालयन हॉस्पिटल जौलीग्रांट में 17, दून में तीन, हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज में दो और मैक्स अस्पताल में सात मरीज भर्ती हैं। इसके अलावा कुछ अन्य अस्पतालों में भी ब्लैक फंगस के मरीजों का इलाज चल रहा है। ब्लैक फंगस संक्रमण के बाद नौ मरीजों की जान जा चुकी है। जबकि पांच इलाज के बाद ठीक हो गए हैं। राज्य में ब्लैक फंगस की दवा एम्फोटेरेसिन बी उपलब्ध नहीं थी जिस वजह से मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। राज्य ने केंद्र सरकार से इंजेक्शन की मांग की थी। जिस पर पहले राज्य को 75 इंजेक्शन मिले थे। इसके बाद अब केंद्र ने पांच सौ और इंजेक्शन दिए हैं।

## कनाडा के आधे से ज्यादा लोगों को मिली कोविड वैक्सीन की पहली खुराक



वॉशिंगटन ■ एजेंसी

कनाडा की करीब 50.08 फीसदी आबादी को शनिवार दोपहर तक कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक और 4.3 फीसदी को दूसरी खुराक दे दी गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 3.8 करोड़ आबादी वाले देश ने 2 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन की खुराक दी है।

शनिवार को कनाडा की पब्लिक हेल्थ एजेंसी के अनुसार, पिछले हफ्ते हमने कोविड-19 टीकों के वितरण और टीकाकरण कवरेज में कुछ अविश्वसनीय माइलस्टोन पार किए, जिसमें लंबे सप्ताहांत से पहले टीकों की 45 लाख खुराक की डिलीवरी की गई और देशभर में टीका लगाने वालों की संख्या बढ़कर 2 करोड़ हो गई। मुख्य जन स्वास्थ्य अधिकारी थेरेसा टैम ने शनिवार को कहा, टीका वितरण तेज गति से जारी है, इससे लोगों में आशा बढ़ रही है कि कोविड-19 टीकाकरण के माध्यम से व्यापक और स्थायी प्रतिरक्षा प्राप्त की जा सकती है। हेल्थ कनाडा ने कहा कि वह चाहता है कि 12 साल और उससे ज्यादा उम्र के कनाडाई लोगों में से कम से कम 75 प्रतिशत को खुराक और 20 प्रतिशत को पूरी तरह से टीका लगाया जाए। सीटीवी के अनुसार, शनिवार दोपहर तक, कनाडा में कोविड-19 के 3,647 नए मामले सामने आए, जिससे कोरोना के कुल 1,355,765 मामले हो गए है, और अबतक 25,203 लोगों की जाने चली गई है।

### मॉर्निंग वाक पर निकलीं महिलाओं को सुरक्षाकर्मियों ने छेड़ा, विरोध करने पर चला दी गोली, दो घायल

चरही(हजारीबाग)। मॉर्निंग वाक पर निकली दो महिलाओ को सुरक्षाकर्मियो ने छेड़ा। विरोध करने पर उनलोगों ने उल्टा गोली चला दी। इससे दोनों महिलाएं घायल हैं। उन्हें हजारीबाग सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिलाओं की ओर से चरही ओपी मे मामला दर्ज करने को आवेदन दिया गया है। लेकिन समाचार भेजे जाने तक मामला दर्ज नही हुआ था। हालांकि चरही थाना प्रभारी आनंद आजाद से ने बताया कि घटना सुबह 5.30 बजे की है। लिखित जानकारी दोपहर 2.30 बजे मिली है। मैने खुद घटना स्थल पहुचकर मामले की छानबीन की है। जांच चल रही है, मामला सही होने पर आरोपी सुरक्षाकर्मियो पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिए गए आवेदन के अनुसा चरही थाना क्षेत्र के पिंडरा (तापीन) के 42 न. कॉलोनी निवासी ललिता देवी पति कृष्ण कुमार और कविता देवी पति गुड्डू नोनिया 23 मई की सुबह करीब 5:30 बजे टहलने के लिए निकली थी। उसी समय तापीन परियोजना में आउटसोर्सिंग रामकृपाल कंट्रक्शन मे कार्यरत दो सुरक्षाकर्मी उन्हें आते देख गलत नीयत से छेडछाड करने लगे। महिलाओं ने इसका विरोध किया। धीरे धीरे बात बढ़ गयी। तब दोनों सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार देने की धमकी देने लगे।

**तख्तापलट** 18 पुलिसकर्मियों की मौत, सवा लाख शिक्षकों को नौकरी से निकाला

# सैन्य शासक का म्यांमार में फिर नागरिक सरकार लाने का वादा

नायपीटा ■ एजेंसी

म्यांमार के सैन्य प्रमुख सीनियर जनरल मिन आंग हैंग ने कहा है कि वह एक फरवरी को किए तख्तापलट के बाद अब यहां नागरिक शासन लाना चाहते हैं। अगर परिस्थितियों ने साथ दिया तो 12 या 18 महीनों के अंदर ही फिर से नागरिक शासन लाया जा सकेगा। सीनियर जनरल मिन आंग हैंग ने शनिवार को विदेशी मीडिया को दिए अपने पहले साक्षात्कार में हालांकि यह नहीं बताया कि नागरिक सरकार स्थापित करने के लिए वह चुनाव कब कराएंगे।



#### कुछ समय के लिए ही सैन्य शासन

म्यांमार के सैन्य शासक ने कहा कि उनका सैन्य शासन लाने का मकसद देश में बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ केंद्रीय शासन लाना था। उन्होंने यह जताने की कोशिश की कि म्यांमार में कुछ समय के लिए ही वह सैन्य शासन लाए हैं। ताकि वह तब तक तख्तापलट के विरोधियों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ अपनी समझ बेहतर कर लें।

#### नागरिकों के मारे जाने की रिपोर्टों को किया खारिज

हालांकि उन्होंने उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया कि सुरक्षा बलों की गोलीबारी में 800 से अधिक नागरिक मारे गए हैं। मारे गए लोगों की यह संख्या म्यांमार के एक मानवाधिकार संगठन ने बताई थी।

#### ईयू ने नहीं मानी जुंटा की योजना

यूरोपीय संघ ने म्यांमार के जुंटा के नियुक्त किए गए चुनाव आयुक्त के प्रस्ताव को नामंजूर करते हुए कहा कि नेशनल लीड आफ डेमोक्रेसी (एनएलडी) की अपदस्थ नेता आंग सान सू की पार्टी को भंग करने की मांग नहीं मानी जाएगी।

#### हमले में 13 पुलिसकर्मियों की मौत

इस बीच, म्यांमार के मोबे कस्बे में स्थानीय प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस स्टेशन पर हमला करके 13 पुलिस कर्मियों को मार दिया है और चार को बंधक बना लिया है।



#### नेताओं को किया नजरबंद

उल्लेखनीय है कि विगत एक फरवरी को म्यांमार की सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ करके सत्ता पर कब्जा कर लिया था। उनका कहना था कि पिछले साल आठ नवंबर को हुए चुनावों में धांधली हुई है। राज्य प्रशासक आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत सभी वरिष्ठ अधिकारियों को चुनाव में धांधली का आरोपित बताते हुए उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है।

#### सवा लाख शिक्षकों को नौकरी से निकाला

म्यांमार में सवा लाख अध्यापक और अध्यापिकाओं को नौकरी से निकाल दिया गया है। सैन्य शासन ने उन्हें यह सजा सैन्य तख्तापलट का विरोध करने के लिए नागरिक अवज्ञा आंदोलन में शामिल होने के लिए दी है। म्यांमार अध्यापक संघ ने बताया कि इन शिक्षकों का निलंबन नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही कर दिया गया था। अब इन्हें नौकरी से निकाल भी दिया गया है।

### यरुशलम में यहूदियों के लिए खुला पवित्र टेंपल माउंट, इजरायली पुलिस की सुरक्षा में पहले दिन 50 यहूदी यात्री पहुंचे

**यरुशलम।** पूर्वी यरुशलम के पुराने हिस्से में स्थित टेंपल माउंट को यहूदी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। इजरायली पुलिस की सुरक्षा में पहले दिन 50 यहूदी श्रद्धालु वहां नियमित तीर्थयात्रा के लिए पहुंचे। मुसलमान भी इस क्षेत्र को पवित्र स्थल मानते हैं। इसी क्षेत्र में अल-अक्सा मस्जिद भी है जहां से इजरायली पुलिस और फलस्तीनियों के बीच शुरू हिंसक झड़प ने युद्ध का रूप ले लिया था।

इजरायल और फलस्तीनी आतंकी संगठन हमास के बीच रविवार को लगातार तीसरे दिन युद्धविराम जारी रहा। इजरायली पुलिस ने स्वीकार किया कि उनके पवित्र स्थल के यहूदियों के लिए खुलने पर पहले दिन शांति कायम रही। रमजान के दौरान तीन मई के बाद से यहां अल-अक्सा मस्जिद में हुई हिंसा के बाद यह तीर्थ यात्रा पहली बार शुरू हुई है। इस स्थल को यहूदी भी बेहद पवित्र मानते हैं और 1967 में हुए युद्ध के बाद से इस क्षेत्र पर इजरायल काबिज है। इजरायल पूरे यरुशलम को अपनी राजधानी मानता है।

इस बीच, 11 दिनों तक इजरायल और फलस्तीनी संगठन के बीच जारी युद्ध के चलने के बाद रविवार को गाजापट्टी में सरकारी दफ्तर खोल दिए गए हैं और फिलहाल हालात सामान्य होने की ओर बढ़ना शुरू हो गए हैं। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्धविराम का पूर्ण पालन करने का आह्वान किया। शनिवार को एक बयान में सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों की ओर से समर्थित 'हिंसा के परिणामस्वरूप नागरिक जीवन के नुकसान पर शोक व्यक्त किया।

## सभी खिलाड़ियों की नेगेटिव जांच आने के भारतीय फुटबॉल टीम ने शुरू की प्रैक्टिस

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

विश्व कप 2022 और एशियाई कप 2023 के संयुक्त क्वालीफिकेशन मैचों के लिए कतर पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम के सभी खिलाड़ियों और सहयोगी सदस्यों ने कोविड-19 जांच में नेगेटिव आने के बाद प्रैक्टिस शुरू कर दी है। कप्तान सुनील छेत्री की अगुवाई में टीम बुधवार को दोहा पहुंचने के बाद प्रैक्टिस कैम्प में भाग लेने से पहले आरटी-पीसीआर जांच के नतीजे आने तक अनिवार्य क्वारंटाइन पर थी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के महासचिव कुशल दास ने पीटीआई को बताया, 'हां, सभी 28 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ वहां पहुंचने के बाद की गई जांच में नेगेटिव आए हैं। छेत्री की वापसी से उत्साहित भारतीय टीम मेजबान कतर के खिलाफ तीन जून को अपने शुरूआती मैच से पहले यहां एक बायो-बबल(जैव-सुरक्षित) के अंदर अभ्यास शिविर में भाग लेगी। भारत को अन्य दो मैच बांग्लादेश (सात जून) और अफगानिस्तान (15 जून) के खिलाफ खेलने हैं।'

कतर फुटबॉल संघ से अच्छे सहयोग के कारण भारतीय टीम को 10 दिनों के कड़े क्वारंटाइन पर नहीं रहना पड़ा और टीम ने कोविड-19 जांच की नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद प्रैक्टिस शुरू कर दी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मुख्य कोच इगोर स्टिमक की देखरेख में खिलाड़ियों के प्रैक्टिस की तस्वीर को साझा करते हुए ट्वीट किया, 'आगे की चुनौतियों के लिए तैयारी कर रहे है। कल रात दोहा, कतर में ब्लू टाइगर्स (भारतीय फुटबॉल टीम) ने अभ्यास किया। यह उनका पहला सत्र था।' कोविड-19 महामारी के कारण इन मैचों को दोहा में खेला जाएगा और इसे घरेलू तथा दूसरी टीम के मैदान पर मैचों के बेसिक फॉर्मेट में नहीं खेला जा रहा है।

### | जल्द इनाम के भुगतान का किया ऐलान, देरी की बताई ये वजह |

# महिला टीम पर खुलासे के बाद हरकत में बीसीसीआई

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पिछले साल हुए टी20 वर्ल्ड कप की इनामी राशि अभी तक न मिलने के खुलासे के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने कहा है कि इस सप्ताह के अंत तक सभी खिलाड़ियों को उनका हिस्सा मिल जाएगा. पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां टीम को मेजबान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. फाइनल तक पहुंचने के लिए भारतीय टीम को इनाम के तौर पर 5 लाख डॉलर यानी करीब 3.5 करोड़ रुपये मिलने थे. रविवार को एक ब्रिटिश अखबार की रिपोर्ट में खुलासा किया गया था कि भारतीय

बोर्ड ने एक साल बाद भी खिलाड़ियों को ये रकम अदा नहीं की है. ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ ने रविवार को अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया था, कि भारतीय बोर्ड ने पिछले साल 8 मार्च को हुए फाइनल की इनामी राशि एक साल से भी ज्यादा वक्त बीतने के बावजूद खिलाड़ियों को नहीं बांटी. रिपोर्ट में बताया गया था, कि चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई और तीसरे स्थान पर रहे इंग्लैंड ने अपनी-अपनी इनामी राशि को एक से दो महीने के भीतर बांट दिया था.

### बीसीसीआई ने इन वजहों से भुगतान में की देरी

बीसीसीआई ने पिछले साल से अभी तक घरेलू क्रिकेट से लेकर सीनियर पुरुष टीम तक के वेतन और अनुबंध फीस का भुगतान नहीं किया है. हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया गया था कि बोर्ड ने पिछले साल से अभी तक टीम के खिलाड़ियों को उनका वेतन नहीं दिया है. जानकारी के मुताबिक, बीसीसीआई में सभी टीमों (सभी आयु वर्ग) के खिलाड़ियों के भुगतान में तीन से चार महीने का समय लगता है. इसके चलते भी भुगतान में देरी एक वजह बताई जा रही है. इतना ही नहीं, पिछले साल से ही मुंबई में बोर्ड का मुख्यालय कोरोनावायरस के कारण बंद है, जिसके कारण भी हर तरह के पेमेंट में खिलल हुआ है.

**बीसीसीआई को ही देरी से मिली थी इनामी राशि**

इस खबर के आने के बाद से ही एक बार फिर भारतीय बोर्ड की कार्यशैली और महिला क्रिकेट को लेकर उसके व्यवहार पर सवाल उठने लगे है. अब बीसीसीआई ने कहा है कि जल्द ही खिलाड़ियों को भुगतान हो जाएगा. बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्यों को इस हफ्ते के अंत तक इनामी राशि का अपना हिस्सा मिलेगा. प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और मुझे उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही उनका हिस्सा मिलेगा. टीम को भुगतान में देरी का कारण पूछे जाने पर बोर्ड अधिकारी ने कहा कि खुद बोर्ड को इनामी राशि देरी से मिली थी. अधिकारी के मुताबिक, हमें पिछले साल अंत में इनामी राशि मिली थी

## दुबई के परिणामों का दोहा में कोई असर नहीं पड़ेगा : संधू

दोहा ■ एजेंसी

भारतीय फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा है कि दुबई में मार्च में हुए अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैचों के परिणाम का 2022 फीफा विश्व कप और 2023 एएफसी एशिया कप चीन के लिए तीन जून से शुरू होने वाले क्वालीफायर्स पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कोविड के कारण लंबे ब्रेक के बाद वापसी करने वाली भारतीय टीम ने मार्च में दो अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैचों में ओमान से 1-1 से ड्रा खेला था लेकिन यूएई के हाथों उसे 0-6 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। संधू ने कहा, हम उन मैचों के बारे में जितना कम सोचेंगे उतना ही बेहतर होगा। यह बीती हुई बातें हैं। लेकिन जो कुछ हुआ उसको याद रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पता चलता है कि हमें किन विभागों में काम करने की जरूरत है। हमारे सामने तीन कोरी स्लेट हैं और उन पर क्या लिखना है, यह हम पर निर्भर है। भारत को तीन जून को एशियन चैंपियंस कतर के खिलाफ, सात जून को बांग्लादेश के खिलाफ और 15 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ अपने मुकाबले खेलने हैं। ये तीनों मैच दोहा के जेसिम बिन हमाद स्टेडियम में खेले जाएंगे। कैंप के लिए चुनी गई 28 सदस्यीय संभावित टीम में ग्लैन मार्टिस एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्हें पहली बार नेशनल टीम कैंप में शामिल किया गया है। ग्रुप-ई में फिलहाल भारत के तीन मैचों में तीन अंक है।

डिफेंडर प्रीतम कोटाल ने कहा, दुबई और दोहा की परिस्थितियां पूरी तरह से अलग हैं। दुबई में हमने दो अलग टीमों के साथ दो मैच खेले। हमने तब लगभग 16 महीने के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की थी। इन दो मैचों से हमें अपने सभी नकारात्मक पक्षों पर काम करने का मौका मिला। जून में परिणाम निश्चित तौर पर हमारे अनुकूल होंगे। भारतीय स्ट्राइकर मानवीर सिंह ने कहा कि दुबई में मिली जुली परिणाम से दोहा में टीम को मदद मिलेगी।

## कोरोना काल में मजदूरी करने के लिए मजबूर फुटबॉलर संगीता सोरेन को खेल मंत्री रीजीजू ने दिया मदद का भरोसा

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को भरोसा दिलाया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान घर का खर्च चलाने के लिए मजबूरी करने वाली फुटबॉलर संगीता सोरेन की खेल मंत्रालय मदद करेगा। संगीता पिछले साल ही नेशनल टीम का हिस्सा बनी थीं। कोरोना वायरल के चलते लगे लॉकडाउन के मुश्किल समय में उनको दिहाड़ी मजबूर के तौर पर काम करना पड़ा था। संगीता अंडर 19 टूर्नामेंटों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। रीजीजू ने ट्वीट किया, " मुझे फुटबॉलर संगीता सोरेन के बारे में सूचित किया गया है, जिन्होंने इंटरनेशनल टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और इस महामारी में वित्तीय संकट में हैं। मेरे कार्यालय ने उनसे

संपर्क किया है और जल्द ही वित्तीय मदद दी जाएगी। खिलाड़ियों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है।' पिछले साल उनको सीनियर टीम में चुना गया था। वह धनबाद जिले के बांसमुंडी गांव में ईंट-भट्टे पर काम कर रही हैं। गीता को आयु-वर्ग के टूर्नामेंटों में प्रभावी प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम के लिए चुना गया था लेकिन नेशनल टीम के लिए खेलने का उनका सपना पूरा होता इससे पहले ही महामारी के कारण देश में लॉकडाउन लागू हो गया। नेशनल महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने उनके संघर्षों को देखते हुए झारखंड सरकार को पत्र लिखकर राज्य से इस इंटरनेशनल फुटबॉलर को मदद और समर्थन देने की मांग की है। एनसीडब्ल्यू के पत्र की एक प्रति अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को भी भेजी गई है। आर्थिक तंगी के बाद भी संगीता ने फुटबॉल के सपने को नहीं छोड़ा है और वह नियमित रूप से पास के मैदान में अभ्यास करती है। संगीता के पिता नेत्रहीन हैं और उनका बड़ा भाई रोजगार पाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

### विदेशी मुद्रा भंडार 590 अरब डॉलर के पार

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार छठे सप्ताह बढ़ता हुआ 590 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 14 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का देश का भंडार 56.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 590.03 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो 15 सप्ताह का उच्चतम स्तर है। इससे पहले 07 मई को समाप्त सप्ताह में यह 1.44 अरब डॉलर बढ़कर 589.47 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक ने बताया कि 14 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 37.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 546.87 अरब डॉलर पर रही। इस दौरान स्वर्ण भंडार भी 17.4 करोड़ डॉलर की बढ़त के साथ 36.65 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि एक करोड़ डॉलर बढ़कर पांच अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 20 लाख डॉलर की वृद्धि के साथ 1.51 अरब डॉलर हो गया।

## बैडमिंटन प्वॉइंट सिस्टम में बदलाव नहीं बीडब्ल्यूएफ तीन गेम के फॉर्मेट को रखेगा जारी

कुआलालंपुर ■ एजेंसी

बैडमिंटन के प्वॉइंट सिस्टम में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होगा क्योंकि खेल की वैश्विक संस्था(बीडब्ल्यूएफ) वार्षिक आम बैठक(एजीएम) के दौरान नई प्रणाली के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करने में विफल रही। खेल के मौजूदा 21 अंक वाली तीन गेम की प्रणाली में बदलाव कर 11-11 अंकों के पांच गेम करने का प्रस्ताव रखा गया था। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सदस्य देशों ने ऑनलाइन आयोजित 82वीं एजीएम के दौरान प्वॉइंट सिस्टम से संबंधित खेल के कानून में संशोधन के प्रस्ताव पर मतदान किया। इंडोनेशियाई बैडमिंटन संघ और मालदीव के बैडमिंटन संघ ने इस प्रस्ताव को रखा था, जिसका समर्थन बैडमिंटन एशिया, कोरियाई बैडमिंटन संघ और चीनी ताइपे बैडमिंटन ने किया था। इस प्रस्ताव के पक्ष में 66.31 प्रतिशत जबकि इसके खिलाफ 33.69 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। यह बदलाव के लिए जरूरी दो-तिहाई मत से बेहद मामूली अंतर से कम रहा। इस प्रस्ताव के मतदान में कुल 282 मत डाले गए थे। बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने इस महत्वपूर्ण निर्णय में भाग लेने के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया। होयर ने बीडब्ल्यूएफ की ओर से जारी बयान में कहा, 'हमारे सदस्यों ने इस मुद्दे पर चर्चा की लेकिन बदलाव के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत को हासिल करने से मामूली अंतर से चूक गए। बीडब्ल्यूएफ 21 अंक की तीन गेम की प्रणाली को बनाए रखने के फैसले का सम्मान करता है।' उन्होंने कहा, 'यह दूसरी बार है जब ऐसे प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली लेकिन मैं सदस्यों की शानदार भागीदारी और आज के निर्णय को एक संकेत के रूप में देखता हूं कि बैडमिंटन समुदाय इस कठिन और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान खेल के सर्वोत्तम हितों में लगा हुआ है।' होयर ने 2014 में पहली बार इस प्रस्ताव को रखा था लेकिन उन्हें समर्थन नहीं मिला था। ग्यारह अंकों की पांच गेम प्रणाली का खिलाड़ियों और कोचों ने विरोध किया था।

## यूएई में सितंबर-अक्टूबर में हो सकता है आईपीएल-14 का दूसरा चरण

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें संस्करण का दूसरे चरण सितम्बर-अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) में हो सकता है। दिल्ली और अहमदाबाद चरण के दौरान बायो बबल में सेंध के बाद कई खिलाड़ियों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण आईपीएल के 14वें संस्करण को स्थगित कर दिया गया। टूर्नामेंट में अभी भी 31 मैच होने हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब टूर्नामेंट के शेष मैचों का आयोजन यूएई में कराना चाहता है। साल 2020 में भी टूर्नामेंट के 13वें संस्करण का आयोजन यूएई में ही हुआ था और वह काफी सफल रहा था। भारतीय टीम 2 जून को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और इंग्लैंड के साथ होने वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंच रही है। भारत को जून में टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलना है और इसके बाद टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इंग्लैंड के साथ होने वाली सीरीज के दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच के बीच 9 दिनों का गैप है। बीसीसीआई चाहता है कि इस गैप को चार या पांच दिनों का किया जाए, जिससे कि उसे आईपीएल के आयोजन को लेकर चार या पांच दिन मिल जाएंगे।

समाचार पत्र के मुताबिक अगर ऐसा नहीं भी हुआ तो भी बीसीसीआई के पास 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर के बीच एक महीने का विंडो होगा और इस दौरान आईपीएल का आयोजन आसानी से कराया जा सकता है। इसके लिए चार सप्ताह तक डबल हेडरों का आयोजन होगा। इस तरह 8 दिनों में 16 मैच हो जाएंगे और फिर आयोजकों को टूर्नामेंट के समापन के लिए अच्छा-खासा समय मिल जाएगा। आईपीएल के 14वें संस्करण का दूसरे चरण के सम्बंध में बीसीसीआई 29 मई को आवश्यक घोषणा कर सकती है।

बीसीसीआई ने अनाधिकारिक तौर पर इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दिन कम करने का अनुरोध किया। यह सीरीज 41 दिनों में समाप्त हो रही है।

### वितरण कंपनियों पर बिजली उत्पादकों का बकाया मार्च में 3 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। बिजली उत्पादक कंपनियों का वितरण कंपनियों पर कुल बकाया मार्च 2021 में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 3.4 प्रतिशत घटकर 78,379 करोड़ रुपये रहा। यह बताता है कि वितरण कंपनियों के ऊपर बकाये मामले में स्थिति अब सुधर रही है। बिजली उत्पादकों का वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर बकाया पिछले कई साल से लगातार बढ़ता रहा था। यह स्थिति इस साल फरवरी तक थी। यह बिजली क्षेत्र में दबाव की स्थिति के बयां करता है। प्राप्ति पोर्टल (भुगतान पुष्टि और उत्पादकों के बकाया- प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने हेतु बिजली खरीद विश्लेषण) के अनुसार वितरण कंपनियों पर बिजली उत्पादकों का बकाया मार्च 2020 में 81,116 करोड़ रुपये था। इससे पहले, इस साल फरवरी और जनवरी में बकाया क्रमशः 98,673 करोड़ रुपये और 99,023 करोड़ रुपये था। प्राप्ति पोर्टल बिजली उत्पादकों और वितरण कंपनियों के बीच बिजली खरीद सौदों में पारदर्शिता लाने हेतु मई 2018 में पेश किया गया। पोर्टल के अनुसार मार्च 2021 में डिस्कॉम पर पिछला बकाया 67,417 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 68,517 करोड़ रुपये था।

## एटलेटिको मैड्रिड सात साल बाद बना ला लिगा चैंपियन, मैड्रिड को पछाड़ कर जीता खिताब

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

एलेटिको मैड्रिड ने पहले हॉफ में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी कर के वल्लाडोलिड को 2-1 से पराजित करके सात साल बाद स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा का खिताब जीता। एटलेटिको ने अंतिम दौर तक पहुंचे कड़े संघर्ष के बाद सात साल का इंतजार समाप्त किया। उसके खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के साथ ही जश्न में झूम उठे। उन्होंने बाद में अपने प्रशंसकों के साथ स्टेडियम के बाहर भी जश्न मनाया। एटलेटिको ने दूसरे स्थान पर रहे रियल मैड्रिड का अपना खिताब बरकरार रखने का सपना तोड़ा। वह अपने शहर के इस प्रतिद्वंद्वी से दो अंक आगे रहा।

रियल ने एक अन्य मैच में विल्लारीयाल को 2-1 से हराया। एटलेटिको को हालांकि शुरू में कुछ विषम पलों से गुजरना पड़ा। वल्लाडोलिड ने 18वें मिनट में ही आस्कर प्लानो के गोल से बढ़त हासिल कर दी थी। उसने मध्यांतर तक इस बढ़त को बरकरार रखा।

एंजेल कोरिया ने 57वें मिनट में एटलेटिको की तरफ से बराबरी का गोल दागा जबकि लुई सुआरेज ने इसके 10 मिनट बाद निर्णायक गोल किया।

एटलेटिको ने 38 मैचों में 86 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया। पिछली बार के चैंपियन रियल मैड्रिड के इतने मैचों में 84 अंक रहे। बार्सिलोना 38 मैचों में 79 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इन तीनों के अलावा सेविला ने अगले साल की चैंपियन्स लीग में जगह बनायी। रियल मैड्रिड ने भी आखिरी क्षणों में दो गोल करके विल्लारीयाल को हराया। येरेमी पिनो के 20वें मिनट में किये गये गोल से मिली बढ़त को विल्लारीयाल ने 87वें मिनट तक कायम रखा। इसके बाद करीम बेंजेमा ने बराबरी का गोल दागा जबकि लुका मोड्रिच ने इंजुरी टाइम के दूसरे मिनट में विजयी गोल दागा।

## इन शेयरों में निवेश कर आप कमा सकते हैं मोटा मुनाफा

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

15,100 को पार कर गया और उम्मीद के मुताबिक वीकेंड पर 15,220 के स्तर पर बंद हुआ। अब 15,900, 16,600 और 17,500 तक का रास्ता बहुत साफ हो गया है। हम इस हफ्ते निफ्टी को नई ऊंचाई पर पहुंचते देख सकते हैं। इंल्लह्य ढाइ८ भी एक दिन में 1,400 अंकों की जोरदार तेजी के साथ 34,800 पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी के तेजी से बढ़ने का मुख्य कारण सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय है, जिसने ऋणदाताओं को डिफॉल्ट होने पर प्रमोटरों की व्यक्तिगत गारंटी को भुनाने की अनुमति दी है। यह एक बड़ी बात है। भारत में अब तक कई अपने आप को ईमानदार कहने वाले प्रमोटर्स बैंकों को तो डिफॉल्ट कर रहे थे और खुद भारी संपत्ति अर्जित कर असाधारण और आकर्षक जीवन जी रहे थे। अब सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद, वे बैंकों को भुगतान करने के लिए अपनी संपत्ति का उपयोग करने पर मजबूर होंगे। अकेले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले कुछ वर्षों में 88,000 करोड़ रुपये की प्रोविजनिंग की है। अन्य बैंकों ने भी कुल 4-5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की प्रोविजनिंग की है। हम पिछले तीन वर्षों में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली देख चुके हैं और यह निर्णय बैंकिंग सिस्टम में 3 लाख करोड़ रुपये और ला सकता है। सहित सभी बड़े बैंकों के लिए फीसद के हिसाब से देखें, तो पीएनबी, बीओबी, इंडसइंड और एसबीआई में प्रभाव सबसे अधिक होगा। साल 2020 में इंडसइंड डाउनग्रेड हुआ था और 2,000 रुपये से गिर कर 250 पर आ गया था और हमें विश्वास है कि यह कदम इंडसइंड को 2,000 रुपये की अपनी पुरानी सीमा को फिर से हासिल करने की अनुमति देगा। हम ऐसा होने की उम्मीद कर रहे थे और इसलिए बैंक निफ्टी पर 18,000 के स्तर से लगातार तेजी आई है और हमारे सभी टार्गेट पूरे हुए हैं।

**अवसर** आईसीसी के अनुसार इंग्लैंड में 2019 में हुए वनडे विश्व कप को 54 करोड़ 50 लाख दर्शकों ने देखा था

# आईसीसी ने क्रिकेट को 2028 ओलंपिक में शामिल करने के गिनाए फायदे

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल करने की कोशिश में लगा है। इसी कड़ी के तहत उसने इन खेलों को ओलंपिक में शामिल करने पर इसके फायदा गिनाए हैं। आईसीसी का मानना है कि लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अगर क्रिकेट को शामिल किया जाता है तो इससे भारतीय उपमहाद्वीप में दर्शकों की संख्या बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं क्योंकि यहां अन्य किसी खेल की तुलना में क्रिकेट को अति महत्व दिया जाता है। आईसीसी के अनुसार इंग्लैंड में 2019 में हुए वनडे विश्व कप को 54 करोड़ 50 लाख दर्शकों ने देखा था। आईसीसी ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने के लिए प्रस्ताव तैयार किया है जिसकी कॉपी आईएएनएस के पास है जिसमें 2019 में भारी संख्या में दर्शकों के इस टूर्नामेंट को देखने की बात कही गई है। विश्व कप को 4.6 अरब वीडियो व्यूज मिले और यूट्यूब पर तीन करोड़ 10 लाख दर्शकों ने इसे देखा था। आईसीसी ने इन आंकड़ों की 2016 रियो ओलंपिक से तुलना की है। उन्होंने कहा, रियो ओलंपिक को भारत में 19 करोड़ 10 लाख दर्शकों ने देखा जबकि 2019 क्रिकेट विश्व कप को 54 करोड़ 50 लाख

दर्शकों ने देखा था। आईसीसी के क्रिकेट को लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भेजने के प्रस्ताव को उस वक्त बल मिला जब पिछले महीने भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने 2028 के ओलंपिक में अपने पुरुष और महिला टीमों को भेजने पर सहमति जताई थी। अगर इसमें क्रिकेट को शामिल किया जाता है तो पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग आईसीसी के इस प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। आईसीसी ने कहा, रियो ओलंपिक के दर्शकों की औसत उम्र 53 थी जबकि 2019 विश्व कप के 32 फीसदी दर्शकों की उम्र 18 से 32 वर्ष के बीच थी और क्रिकेट प्रशंसक की औसत आयु 34 साल की होती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 39 फीसदी क्रिकेट प्रशंसक महिलाएं होती हैं।

आईसीसी ने कहा कि अगर क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किया जाता है तो अमेरिका की टीम भी प्रतिभागी के रूप में इसमें शामिल हो सकती है। उन्होंने कहा कि 87 फीसदी प्रशंसक ओलंपिक में टी 20 क्रिकेट देखना चाहते हैं। आईसीसी इस बात को लेकर भी आश्वस्त है कि अगर ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया जाता है तो इससे नए साझेदार जुड़ सकते हैं और इसके सदस्य देशों को वित्तीय लाभ भी मिल सकता है। आईसीसी ने अपने 92 सदस्य देशों के साथ सर्वे किया था जिसमें ज्यादातर देशों ने कहा कि अगर क्रिकेट को स्थायी तौर पर ओलंपिक खेलों में शामिल कर लिया जाता है तो उन्हें उनकी सरकार से वार्षिक वित्तीय सहायता मिल सकती है। आईसीसी के अनुसार, सर्वे के नतीजे बताते हैं कि 74 फीसदी उसके सदस्यों का मानना है कि अगर क्रिकेट को लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किया जाता है तो उन्हें उनकी सरकार से वित्तीय सहायता मिलेगी जबकि 89 फीसदी का कहना है कि क्रिकेट अगर स्थायी रूप से ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनता है तो इन्हें वार्षिक वित्तीय सहायता मिल सकती है।

आईसीसी के 104 सदस्य देश है जिसमें 12 फुल और 92 सहयोगी सदस्य हैं। आईसीसी के अनुसार अगर पुरुष तथा महिला क्रिकेट को टी 20 प्रारूप में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किया जाता है तो इससे दर्शकों की तुलना में वित्तीय रूप से काफी लाभ मिल सकता है। आईसीसी के प्रस्ताव के अनुसार, लॉस एंजिल्स ओलंपिक के दौरान 21 जुलाई से छह अगस्त तक पुरुष और महिला टीमों के बीच टी20 टूर्नामेंट कराया जाए जिसमें आठ टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 16 मुकाबला कराए जाएंगे। हालांकि क्रिकेट को लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल होने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि मौजूदा समय क्रिकेट ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है और लॉस एंजिल्स स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) को इसे अतिरिक्त खेल के रूप में लाना होगा क्रिकेट के लिए यह एकमात्र विकल्प है क्योंकि टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए किसी अन्य खेल को शामिल नहीं किया जा सकता है।

### विधायक डॉ. सिकरवार ने निगमायुक्त को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

# आयुक्त बोले समस्याओं का होगा निराकरण

**ग्वालियर।** ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस के विधायक डॉ.सतीष सिकरवार ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त जन समस्याओं को लेकर 10 सूत्रीय एक मांग पत्र सौंपा। जिसमें वार्डो से रिटायर हुये या हटाये गये सफाई कर्मचारियों के रिक्त हुये पदों पर नये सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की जाये। जिससे वार्डो में सफाई कार्य ठीक से हो सके। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट लाइट गली, मोहल्लों में बंद पड़ी होने के कारण अंधेरा रहने से चोरियॉं और सड़क दुर्घटनायें बढ रही है। तत्काल लाईट व्यवस्था ठीक कराई जाये। मांग पत्र में यह भी कहा गया कि क्षेत्र में कई जगह पीने के पानी की समस्या है, उल्लेखित स्थानों पर नलकूप खनन कराये जाने एवं बरसात से पहले क्षेत्र की सभी सीवर लाईन साफकराने, टूट पडे चेम्बरों को ठीक कराया जाने एवं कई स्थानों पर अमृत योजना के अन्तर्गत पानी एवं सीवर लाईन डाले जाने की मांग की गई। सड़कों के संबंध में चर्चा करते हुये आयुक्त को अवगत कराया गया कि जिन स्थानों पर अमृत योजना के तहत सीवर एवं पानी की लाईन डाली गई है,ऐसे स्थानों की सड़के ठीक कराई जाये। साथ ही क्षेत्र में कई स्थानों पर जीर्ण-षीर्ण हो चुकी सी.सी./डाबर सड़कों को शीघ्र बनवाये जायें। मुख्य रूप से 1 साल से अधिक समय से अधूरी पडी सड़के-यूनीपेच वाली एवं आदित्यपुरम की सभी सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर ठीक कराये जाने को कहा गया।




डॉ.सिकरवार ने आयुक्त को बताया कि क्षेत्र में कई गली/मोहल्लों/ कालोनियों में सीवर युक्त एवं गन्दे पानी की बहुत अधिक षिकायतें आ रही है,का निदान किये जाने तथा विधानसभा क्षेत्र में आने वाले सभी नालों की सफाई बरसात से पहले कराये जाने का कहा।मांग पत्र प्रस्तुत करते हुये डॉ.सिकरवार द्वारा यह कहा गया कि क्षेत्र की समस्याओं संबंधी कार्य 10 दिवस में नही होने की दषा में, निगम मुख्यालय का घेराव/तालाबंदी करने के लिये बाध्य होना पडेगा। निगमायुक्त श्री षिवंम वर्मा द्वारा विधायक को मांग पत्र अनुसार क्षेत्र में कार्य शीघ्र कराये जाने का भरोसा दिलाया गया। आयुक्त महोदय को मांगपत्र सौपते समय विधायक डॉ. सतीष सिकरवार के साथ में श्री कृष्णराव दीक्षित पूर्वनेता प्रतिपक्ष नगर निगम / श्री अवधेष कौरव,पूर्व पार्षद / श्री प्रमोद जैन उपस्थित थे।

### कट्टा अड़ाकर महिला से रेप:ब्लैकमेल कर आरोपी 6 महीने तक करता रहा शारीरिक शोषण

# विरोध करने पर कट्टा दिखाकर डराता था

**ग्वालियर।** एक ट्रक चालक की पत्नी के साथ पड़ोसी ने कट्टा अड़ाकर रेप कर दिया। घटना नवंबर 2020 की है। अब जब भी महिला का पति काम पर जाता आरोपी उसके घर में आकर धमकाता और दुष्कर्म करता। वह बदनाम करने की धमकी देकर 6 महीने से महिला को ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण कर रहा था। विरोध करने पर महिला को कट्टा दिखाकर डराता था, जबकि आरोपी की मां ने महिला को बेटी माना था। घटना पड़ाव के चुन्नी का पुरा की है। तंग आकर महिला ने मामले की शिकायत रविवार रात को पड़ाव थाना में की है। पुलिस ने तत्काल दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है। अभी आरोपी हाथ नहीं आया है। पड़ाव स्थित चुन्नी का पुरा निवासी 33 वर्षीय विवाहिता रानी (बदला हुआ नाम) का पति एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में ट्रक चलाता है। अक्सर वह काम के सिलसिले में बाहर रहता है। 20 नवंबर 2020 को वह ड्यूटी पर था। तभी रात 12.30 बजे पड़ोस में रहने वाला जग्गू उर्फ जगमोहन पुत्र रामजीलाल बाथम उसके घर आया। जैसे ही महिला ने दरवाजा खोला जग्गू ने उसे धक्का देकर कट्टा अड़ाकर डरा दिया। इसके बाद दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी उसके पति के अनुपस्थिति में अक्सर उसके घर आने लगा। वह बच्चों और पति को मारने की धमकी देकर शोषण करता रहा, जबकि जग्गू की मां महिला को बेटी मानती थी। इसके बाद भी उसे रहम नहीं आया। आखिरी बार आरोपी ने



10 मई को महिला से दुष्कर्म किया। महिला के विरोध करने पर कट्टा दिखाकर चुप करा दिया। अब वह उसे अपने घर बुलाने के लिए ब्लैकमेल कर रहा था। महिला पर यह सहन नहीं हुआ तो उसने रविवार को पति को सारी बात बताई। इसके बाद वह पड़ाव थाना पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

# गंदे बदबूदार पानी से तैयार करते थे जहरीली शराब

ग्वालियर। नाले के गंदे और बदबूदार पानी से शराब बनाते हुए एक तस्कर पकड़ा गया है, जबकि 3 आरोपी भाग गए हैं। पकड़े गए शराब तस्कर से जब पूछा गया कि नाले का पानी मिलाते शर्म नहीं आई तो उसका कहना था साहब, यह नाले के पानी से बनी शराब आदमी दोगुना दाम में



खरीदकर शौक से पीता है। पुलिस ने काफी मात्रा में शराब, कच्ची सामग्री जब्त कर भट्टी को तोड़ दिया है। यह कार्रवाई रविवार रात पुलिस ने पुरानी छावनी श्मशान घाट के पास नाले किनारे की है। कोरोना कर्फ्यू में यहां अवैध शराब का यह अड्डा बना था। इसी तरह की शराब से मुरैना में आधा सैकड़ा लोगों की मौत हो गई थी। ष्टस्क्क रवि भदौरिया को खबर मिली थी कि सुसेरा गांव के श्मशान घाट के पास नाले से सटी जगह पर अवैध शराब बन रही है। खबर मिलते ही ष्टस्क्कऔर ञ्जढ्ढ सुधीर सिंह कुशवाह पुलिस बल के साथ रविवार रात दबे पांव नाले के पास पहुंच गए, लेकिन शराब बना रहे तस्करों को पुलिस की आने का पता लग गया। इससे पहले कि पुलिस ठिकाने तक पहुंचकर उन्हें पकड़ती 3 आरोपी नाले में कूदकर भाग गए। पुलिस ने पीछा कर एक आरोपी को हिरासत में लिया। जिसकी पहचान कुलदीप बड़ेरा के रूप में हुई है। भागने वाले शराब तस्कर मनोज किरार, गोलू किरार व राजे हैं।

## आधी रात हफ्ता वसूली के लिए होटल में तोड़फोड़ मचाते रहे बदमाश

ग्वालियर। शहर में बदमाश बेखौफ हैं। कोरोना कर्फ्यू के बीच आधी रात को कुछ बदमाश स्टेशन बजरिया में जैन रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ मचाते रहे। पर 10 कदम की दूरी पर पुलिस चौकी खाली पड़ी थी। घटना रविवार-सोमवार दरमियानी रात की है। हमलावरों के भागने के बाद होटल मालिक ने पुलिस को सूचना दी। हमलावर हफ्ता वसूली करने आए थे। खुद को चोटीवाला रेस्टोरेंट का कर्मचारी बता रहे थे। पर कर्फ्यू में पुलिस चौकी के पास इस तरह की तोड़फोड़ बताती है कि बदमाशों के बीच पुलिस का खौफ बचा ही नहीं है। पड़ाव पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं होटल के सीसीटीबी कैमरे में पूरी हरकत कैद हो गई है।

जैन रेस्टोरेंट के बाहर खड़े हमलावर, इसके बाद मचाई तोड़फोड़-दरअसल स्टेशन बजरिया स्थित पुलिस चौकी से सिर्फ 10 कदम की दूरी पर व्यवसायी मनोहर लाल जैन का जैन रेस्टोरेंट के नाम से होटल है। रविवार-सोमवार दरमियानी रात करीब 12.10 बजे 5 से 6 बदमाश जैन रेस्टोरेंट पर पहुंचे। यहां उन्होंने रेस्टोरेंट के बाहर तोड़फोड़ करना शुरू कर दी। गालियां देते हुए होटल में पत्थर फेंके। रेस्टोरेंट के बाहर खड़ी संचालक की गाड़ी को जमीन पर पटककर पत्थर मारकर तोड़ दिया। हमला करते हुए बदमाश चिल्ला रहे थे उनको हफ्ता नहीं मिला तो होटल नहीं चलने देंगे। साथ ही संचालक को धमकी देकर बदमाश वहां से भाग गए। घटना के समय पुलिस चौकी पर एक भी पुलिसकर्मी नहीं था। जिस कारण उत्पात मचा रहे बदमाशों को रोका नहीं जा सका।

### कोविड वार्ड में गंभीर हालत में भर्ती मां का बच्चों ने मनाया बर्थडे

# 60 तक गिर गया था ऑक्सीजन लेवल.. अब 92 पर है

**ग्वालियर।** कोरोना के इस बुरे दौर में अपनों के लिए हमदर्दी और प्यार बहुत जरूरी है, क्योंकि डॉक्टरों की दवा के साथ-साथ पेशेंट को अपनों की ज्यादा जरूरत है। ऐसा ही कुछ हुआ है ग्वालियर के एक अस्पताल में भर्ती 65 वर्षीय संक्रमित बुजुर्ग महिला के साथ। 24 दिन पहले दो रिश्तेदारों की मौत हो जाने से महिला खुद हिम्मत हार रही थीं, ऑक्सीजन लेवल 60 पर आ चुका था। अपनों के एक प्रयास से सब कुछ बदल गया और वह ठीक हो गई हैं। 22 मई को बुजुर्ग महिला का बर्थडे था। हॉस्पिटल और पेशेंट के परिजन ने कोविड वार्ड में पहुंचकर बर्थडे सेलिब्रेशन किया। पेशेंट ने केक भी काटा, उन्हें लगा कि इस आपदा में भी उन्हें बच्चे कितना चाहते हैं। बस यहीं से उनकी हालत में सुधार आता चला गया। अब पेशेंट की ऑक्सीजन 92 है और वह स्वस्थ हैं। रविवार को उनकी कोरोना रिपोर्ट भी निगेटिव आ गई है। हॉस्पिटल में बर्थडे सेलिब्रेशन का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। शहर के डीडी नगर निवासी शिवेन्द्र सिंह कुशवाह एडवोकेट हैं। 10 मई को उनकी मां 65 वर्षीय पूनम सिंह कोरोना की चपेट में आ गई थीं। अचानक ऑक्सीजन का स्तर गिरने पर उन्हें भिंड रोड स्थित लीला मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। पूनम सिंह कोविड को लेकर काफी डरी हुई थीं, क्योंकि 24 अप्रैल को उन्होंने अपने देवर सतेन्द्र कुशवाह को इसी बीमारी से खोया था। उससे एक दिन पहले 23 अप्रैल को चचेरे भाई राजू की मौत देखी थी।

# सीएम का पुतला जलाने आए एनएसयूआई के सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया

### 10 मिनट बाद उसी स्पॉट पर भाजयुमो ने जलाया कमलनाथ का पुतला

**ग्वालियर।** ग्वालियर में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर स्नढ्ढक्र होने के बाद पुतला दहन को लेकर सियासत शुरू हो गई है। सोमवार दोपहर ष्टरूशिवराज सिंह का पुतला जलाने फूलबाग पहुंचे हस्ढ्ढ के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस अफसरों का कहना था कि कोविड गाइडलाइन में किसी भी तरह के प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। ठीक 10 मिनट बाद उसी स्पॉट पर भाजयुमो के कार्यकर्ता व भाजपा जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का पुतला जला गए। पुलिस ने दोनों दलों के बीच कोविड गाइडलाइन को काफी अच्छे से विभाजित किया है। पर पुलिस अफसर अब इस सिलसिले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

**एनएसयूआई पहुंची पुतला दहन करने, हिरासत में लिया**-एनएसयूआई कार्यकर्ता सोमवार दोपहर 3 बजे फूलबाग चौराहा पर सीएम शिवराज सिंह का पुतला दहन करने के लिये आ रहे थे। अभी वह फूलबाग पहुंचे ही थे कि उसी बीच पुलिस ने इन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस उनको हिरासत में लेकर पड़ाव थाना ले आई। पुलिस ने कोविड गाइडलाइन का हवाला देते हुए किसी भी तरह के पुतला दहन को गैरकानूनी



बताया। पुलिस द्वारा हस्ढ्ढ जिलाध्यक्ष शिवराज यादव संकल्प गोस्वामी, अंकित शिवहरे, विश्वजीत भदौरिया, मनीष कौरव और अतुल धाकड़ को पकड़ा गया था। कुछ देर बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इसका हस्ढ्ढ कार्यकर्ताओं ने काफी विरोध जताया। कोविड गाइडलाइन का पालन कराते हुए फूलबाग के जिस प्वाइंट पर पुलिस ने हस्ढ्ढ को पुतला दहन से रोका वहीं 10 मिनट बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का पुतला दहन किया। भाजयुमो ने कमलनाथ द्वारा दिये गये बयान के विरोध में फूलबाग पर पूर्व मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया है इस मौके पर जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी मौजूद रहे। जिला प्रशासन की ओर से स्ष्ठरूसीबी प्रसाद तहसीलदार कुलदीप दुबे और पुलिस की ओर ञ्जढ्ढ पड़ाव विवेक अष्ठाना, टीआई इंदरगंज शेलेन्द्र भार्गव, टीआई कंपू मुकेश कुमार वहां मौजूद थे। पर किसी ने कोविड गाइडलाइन की चिंता नहीं की। पुतला दहन के दौरान भाजपा ज़िला अध्यक्ष कमल माखीजानी, जिला महामंत्री शरद गौतम, सचिन पचौरी उपस्थित रहे। इसमें 15-20 भाजयुमो कार्यकर्त्ता मौजूद रहें। यहां सोशल डिस्टेंस भी तार-तार होता रहा।

### पुरानी छावनी में युवक ने लगाई फांसी

# आत्महत्या का कारण जानने में उलझी पुलिस

**ग्वालियर।** पुरानी छावनी में 20 वर्षीय युवक व महाराजपुरा में एयरफोर्स के

केंपस में 17 साल की किशोरी ने रविवार की रात को फांसी लगा ली । शुरुआती जांच में किशोर व युवक के आत्महत्या करने का कारण पता नहीं चला है। पुरानी छावनी व महाराजपुरा थाना पुलिस दोनों के आत्महत्या करने का कारण पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

पुरानी छावनी निवासी रिंकू पुत्र लक्ष्मीनारायण प्राइवेट जाब करता है। घरवालों को कहना है कि रविवार की रात को उसके चेहरे पर कोई तनाव नहीं था। रोज की तरह उसने सामान्य तरीके से रात का खाना खाने के बाद अपने कमरे में चला गया। कुछ समय बाद घरवालों की नजर कमरे में पड़ी तो अवाक रह गए। 20 साल का रिंकू फांसी पर लटका हुआ था। घरवालों ने आनन-फानन में युवक को फांसी से फदे से उतारा। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। युवक के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने युवक के शव को डेड हाउस पहुंचा दिया। सोमवार की सुबह शव का डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद स्वजन को सौप दिया। शुरुआती जांच में युवक के आत्महत्या का कारण पता नहीं चल सका है। घरवाले भी रिंकू के फांसी लगाने से स्तब्ध है। पुरानी छावनी थाना पुलिस स्वजन को सूचना पर मर्ग कायम कर लिया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478